पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

प्रियंका चोपड़ा का धमाकेदार कमबैक

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

वर्ष : 45 ■ अंक : 212 ■ सोमवार 17 नवंबर 2025 ■ 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com Google Play | GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play | Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel | Subscribe

संपादक – हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

मनपा चुनाव मार्च के बाद होंगे?

- सुप्रीम कोर्ट की समय सीमा 31 जनवरी तक
- केवल नगर परिषद, नगर पंचायत और जिला परिषद के चुनाव ही हो सकेंगे

मुंबई. हालाँकि सुप्रीम कोर्ट ने नगर निगमों सहित सभी स्थानीय निकायों की चुनाव प्रक्रिया 31 जनवरी, 2026 तक पूरी करने का आदेश दिया है, लेकिन राज्य में 28 मनपाओं के चुनाव मार्च 2026 के बाद ही होने की संभावना है।

ग्राम पंचायतों को छोड़कर, नगर परिषदों, नगर पंचायतों, जिला परिषदों, पंचायत समितियों और नगर निगमों के चुनाव पिछले ढाई साल से नहीं हो पाए हैं। सरकार और राजनीतिक याचिकाकर्ताओं द्वारा ओबीसी आरक्षण, वार्ड और वार्ड संरचना के खिलाफ अदालत में जाने के बाद ये चुनाव स्थगित हो गए थे। सुप्रीम कोर्ट ने आखिरकार राज्य चुनाव आयोग को 31 जनवरी, 2026 तक सभी स्थानीय निकायों के चुनाव पूरे करने का आदेश दिया है। इतना ही नहीं, अदालत ने इस समय सीमा को आगे बढ़ाने से भी इनकार कर दिया।

चुनाव आयोग ने पहले चरण में 246 नगर परिषदों और 42 नगर पालिकाओं के चुनावों के कार्यक्रम की घोषणा कर दी है, और मतदान 2 दिसंबर को होगा और परिणाम 3 दिसंबर को घोषित किए जाएँगे। उम्मीद थी कि यह आदेश पहले नगर परिषदों, नगर पालिकाओं, फिर ज़िला परिषदों, पंचायत समितियों और फिर नगर निगमों के लिए होगा। हालाँकि, नगर निगमों के मामले में यह गलत होने के संकेत हैं।

राज्य विधानमंडल का शीतकालीन सत्र 8 से 19 दिसंबर, 2025 तक नागपुर में आयोजित किया जा रहा है। हालाँकि कानूनन कोई रोक नहीं है, फिर भी राज्य चुनाव आयोग द्वारा सत्र के दौरान मनपा चुनावों की घोषणा करने की संभावना नहीं है। ऐसा माना जा रहा है कि सत्र के दौरान चुनाव अधिसूचना जारी नहीं की जा रही है। इसका मतलब है कि जिला परिषद चुनावों की अधिसूचना 19 दिसंबर को सत्र समाप्त होने के बाद ही जारी की जाएगी और चुनाव का यह चरण जनवरी में पूरा होगा। जिला परिषद के नतीजे जनवरी के पहले सप्ताह में घोषित किए जाएँगे, और दसवीं और चौथी की परीक्षाओं को लेकर उत्साह चरम पर होगा। ये परीक्षाएँ फरवरी और मार्च में आयोजित की जा रही हैं। आयोग को यह भी विचार करना होगा कि वास्तविक परीक्षा अवधि के दौरान चुनाव कराए जाएँ या नहीं।

यदि आयोग मतदाताओं, पुलिस और चुनाव कर्मचारियों पर दबाव के साथ-साथ कक्षा 10वीं और चौथी की परीक्षा आदि जैसे वैध कारणों को अदालत के ध्यान में लाता है, तो नगरपालिका के मतदाताओं के लिए दो से तीन महीने की अवधि प्राप्त की जा सकती है, इन सूत्रों का कहना है।

क्या राज्य आयोग अनुरोध करेगा?

सुप्रीम कोर्ट ने नगर पालिकाओं समेत सभी स्थानीय निकायों के चुनावों के लिए 31 जनवरी की समयसीमा तय की है। इसके अनुसार, नगर परिषदों और नगर पंचायतों के चुनाव दिसंबर में, जबकि ज़िला परिषदों और पंचायत समितियों के चुनाव जनवरी में पूरे हो सकते हैं। हालाँकि, नगर पालिका चुनावों का कार्यक्रम सुप्रीम कोर्ट की समयसीमा में फिट करना मुश्किल लग रहा है। इसीलिए, सूत्रों का कहना है कि राज्य चुनाव आयोग अदालत से महानगर पालिका चुनावों की समयसीमा 31 जनवरी से आगे बढ़ाने का अनुरोध कर सकता है।

किशनानी परिवार व निर्मले दंपत्ति भाजपा में शामिल

उल्हासनगर में BJP का जवाबी कदम

- एक ही दिन कमल के फूल पर चार ताकतवर चेहरे
- भाजपा प्रदेशाध्यक्ष रविन्द्र चौहान का उल्हासनगर दौरा
- उल्हासनगर की राजनीति में दल बदल जारी

उल्हासनगर। रविवार को उल्हासनगर की लोकल पॉलिटिक्स में एक ओर उलटफेर देखने को मिला। शिवसेना की पूर्व महापौर विद्या निर्मले और उनके पति विजय निर्मले ने उबाठा को ₹जय महाराष्ट्र₹ कहकर भारतीय जनता पार्टी जॉइन कर ली है। निर्मले दंपत्ति का प्रवेश कार्यक्रम भाजपा कार्यालय में हुआ। उद्योगपति गोधू किशनानी व उनके पुत्र प्रवीण किशनानी भी BJP में शामिल हुए हैं, प्रदेशाध्यक्ष रविन्द्र चौहान ने किशनानी के घर जाकर उनका प्रवेश कराया है। BJP उल्हासनगर जिलाध्यक्ष राजेश वधारिया की टीम ने उनका स्वागत किया। उन्होंने कहा कि ऐसे असरदार लोगों के आने से BJP की ताकत काफी बढ़ेगी। BJP ने गोधू किशनानी पर भरोसा जताते हुए उन्हें जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। निर्मले दंपत्ति और किशनानी परिवार के BJP में शामिल होने से उल्हासनगर के राजनीतिक समीकरण एक नया रूप लेंगे और संगठन और भी मजबूत होगा। ऐसा वधारिया ने कहा।

उल्हासनगर में हिट एंड रन की घटना

- तेज रफ्तार कार ने मारी जोरदार टक्कर
- रिक्शा ड्राइवर सड़क पर काफी दूर जा गिरा
- कार चालक फरार

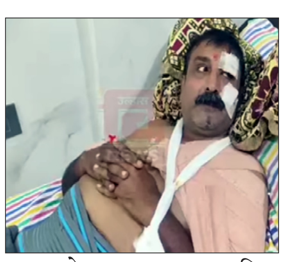

उल्हासनगर. उल्हासनगर 4 स्थित कुर्ला कैंप इलाके में कल सुबह करीब 7:45 बजे एक भयानक हिट एंड रन की घटना हुई। यह घटना वहां लगे CCTV कैमरे में कैद हो गई। मिली जानकारी के मुताबिक, संतोष पवार नाम का एक रिक्शा ड्राइवर सवारियों को बुलाने के लिए सड़क पर जा रहा था, तभी एक तेज रफ्तार कार ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि रिक्शा ड्राइवर सड़क पर काफी दूर जा गिरा। टक्कर के बाद कार ड्राइवर बिना मदद किए मौके से भाग गया। इस हादसे में रिक्शा ड्राइवर गंभीर रूप से घायल हो गया और उसका पास के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। पूरी घटना CCTV में कैद होने के कारण जांच चल रही है और पुलिस उसे तुरंत ढूंढ रही है। इस घटना से इलाके में काफी सनसनी फैल गई है और लोगों में गुस्सा है। पुलिस ने हिट एंड रन मामले में केस दर्ज कर लिया है और आगे की जांच जारी है।

अंबरनाथ में महाविकास आघाड़ी का गठबंधन

शिवसेना उबाठा 37, मनसे 10, राकांपा (श.प.) 12, कुल 59 सीटों का बंटवारा

- महाविकास आघाड़ी में कांग्रेस शामिल नहीं

यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ नगर परिषद चुनाव के लिए महाविकास आघाड़ी, कांग्रेस को छोड़कर मनसे, राकांपा (शप), शिवसेना उबाठा में गठबंधन हो गया है. सीटों का बंटवारा भी हो गया है. शहर पूर्व के मोतीराम पार्क में शिवसेना उबाठा के कार्यालय में एक बैठक संपन्न हुई, जिसमें मनसे शहराध्यक्ष शैलेश शिर्के, शिवसेना उबाठा के जिला अध्यक्ष धनंजय बोडारे, राकांपा शहराध्यक्ष सलीम खान आदि उपस्थित थे. शिवसेना उबाठा को सबसे ज्यादा सीटें दी गई हैं.

विदित हो कि अंबरनाथ नगर परिषद में कुल 29 प्रभाग में 59 वार्ड हैं. शिवसेना उबाठा को 37, मनसे को 10 और राकांपा (शप) को 12 सीटें दी गई हैं. कुछ ने रविवार को नामांकन भी दाखिल किया है, तो शेष उम्मीदवार सोमवार को नामांकन दाखिल करने के आखिरी दिन नामांकन दाखिल करेंगे.

कांग्रेस का कोई भी प्रतिनिधि इस बैठक में उपस्थित नहीं था. कांग्रेस ने एकला चलो की भूमिका अपनाते हुए अकेले चुनाव लड़ने का इरादा किया है. महाविकास आघाड़ी की ओर से नगराध्यक्षा की उम्मीदवार भी मैदान में होगी. ऐसा हमें उबाठा शहराध्यक्ष अजित काले ने बताया है. महाविकास आघाड़ी मनसे, शिवसेना उबाठा, राकांपा (शप) में गठबंधन के कारण अंबरनाथ नपा का चुनाव अब दिलचस्प मोड़ पर आ गया है.

गड्ढों को लेकर मैदान में उतरे अतिरिक्त आयुक्त

उल्हासनगरः अपर आयुक्त धीरज चव्हाण ने बुधवार को शहर के पूर्व में पवई चौक, श्रीराम चौक, कैलास कॉलोनी, मच्छी मार्केट आदि की सड़कों के गड्ढों का निरीक्षण किया। इसके बाद चंद घंटों में सड़क मरम्मत का काम शुरू हो गया।

उल्हासनगर में सड़कों के गड्ढों के खिलाफ सभी दलों के नेताओं द्वारा आवाज उठाए जाने के बाद, आयुक्त मनीषा आव्हाले ने सड़कों के गड्ढे भरने का संकेत दिया था। अब अपर आयुक्त धीरज चव्हाण सड़कों के गड्ढों का निरीक्षण करने मैदान में उतर आए हैं। उन्होंने बुधवार को शहर के पूर्व में श्रीराम चौक, पवई चौक, कैलास कॉलोनी, मच्छी मार्केट, तहसील रोड आदि की सड़कों का निरीक्षण किया। अपर आयुक्त चव्हाण के सड़क निरीक्षण के बाद शाम को सड़क मरम्मत का काम शुरू हो गया। मानसून के दौरान सड़क मरम्मत को लेकर विपक्ष द्वारा हंगामा किए जाने के बाद, विधायक कुमार आयलानी ने सीधे तौर पर विरोध प्रदर्शन की चेतावनी दी, और आयुक्त मनीषा आव्हाले ने उसी रात से सड़क मरम्मत का काम शुरू कर दिया। दिवाली के त्यौहार के दौरान, सड़कों की मरम्मत और गड्ढों को लेकर आयुक्त को दुविधा में डालने की कोशिश की गई।

वंचित बहुजन आघाड़ी सभी सीटों पर उम्मीदवार उतारेगी

- प्रवक्ता सोनू पवार ने दी जानकारी

उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ में वंचित बहुजन आघाड़ी किसी भी पक्ष से गठबंधन नहीं करेगी और अपने बलबूते पर चुनाव लड़ने के लिए हर एक बूथ पर अपना उम्मीदवार खड़ा करेगी. हमारा नगराध्यक्ष का उम्मीदवार भी होगा. पत्रकारों को ऐसी जानकारी वंचित आघाड़ी के प्रवक्ता सोनू पवार ने पक्ष कार्यालय में पत्रकारों को दी है. अंबरनाथ शहर में हमारा प्रभाव अच्छा है. दूसरे पक्ष के नेता हमको कम में आंक रहे हैं. हमारी ताकत बताने के लिए हम पूरी ताकत से अंबरनाथ नपा के चुनाव में उतरेंगे. नगराध्यक्ष पद के लिए भी नामांकन सोमवार को दाखिल किया जाएगा. ऐसा पवार ने कहा है. उन्होंने कहा कि अंबरनाथ में वंचितों पर अन्याय हो रहा है. इसके लिए हम सभी प्रभाग में अपना उम्मीदवार खड़ा करके उन्हें जिता कर लाएंगे. लोग देख रहे हैं कि अंबरनाथ में बड़े पक्ष में घरानेशाही चल रही है. उसका खात्मा हम करेंगे. वंचित बहुजन आघाड़ी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बालासाहेब आंबेडकर की एक सभा का आयोजन भी शहर में किया जाएगा. ऐसा ठाणे जिला प्रवक्ता सोनू पवार ने कहा है. पत्रकार वार्तालाप में शहराध्यक्ष नरेश गायकवाड़, सोनकांबले, उल्हासनगर के उपाध्यक्ष अहिरे आदि उपस्थित थे. बदलापुर में वंचित बहुजन आघाड़ी अकेले चुनाव मैदान में उतारेगी.

तापमान में गिरावट; कड़ाके की ठंड

अंबरनाथ. शहर में पिछले दो-तीन दिनों से अचानक कड़ाके की ठंड पड़ रही है और तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई है। सुबह-सुबह और देर रात कड़ाके की ठंड से नागरिक सचमुच ठिठुर रहे हैं। अचानक बढ़ी ठंड के कारण सड़कों, बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर आवाजाही कम हो गई है। मौसम विभाग के अनुसार, अंबरनाथ क्षेत्र में सुबह का तापमान औसत से कई डिग्री नीचे गिरकर 12 से 14 डिग्री सेल्सियस के आसपास आ गया है। मौसम विज्ञानियों का मानना है कि उत्तर दिशा से आ रही शीत लहर के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई है।

अंबरनाथ नपा चुनाव में 27 लोगों ने किया नामांकन

- आज आखिरी दिन नपा में भारी भीड़ होने की संभावना
- कांग्रेस से कई इच्छुकों ने रविवार को नामांकन भरा

अंबरनाथ. अंबरनाथ में रविवार को 23 इच्छुक उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया है. इन 7 दिनों में अब तक कुल 27 लोगों ने नामांकन भरा है. कांग्रेस ने अपने दम पर अकेले चुनाव लड़ने का निर्णय लिया है. इसलिए रविवार को ज्यादातर कांग्रेसियों ने अपने नामांकन दाखिल किए हैं. आज 17 नवंबर को नामांकन दाखिल करने वालों की भारी भीड़ जमा होने की संभावना है. सुबह 11 बजे से ही इच्छुक उम्मीदवारों की लंबी कतार लगने की संभावना बताई गई है. दोपहर 3 बजे तक अंतिम समय तक जो लोग नामांकन भरने नपा कार्यालय के अंदर आ गए उन्हें फार्म दाखिल करने दिया जाएगा. उसके बाद आने वालों को नपा कार्यालय में दाखिल नहीं होने दिया जाएगा. रविवार को कांग्रेस की ओर से पूर्व नगरसेवक विलास जोशी ने प्रभाग क्र. 15 अ मोरीवली गांव, न्यू कालोनी, नेताजी मार्केट परिसर से नामांकन दाखिल किया है. पूर्व नगरसेवक मिलिंद पाटिल की पत्नी तेजस्विनी मिलिंद पाटिल ने 9-अ पनवेलकर गार्डन, महाराष्ट्र हाउसिंग बोर्ड, न्यू कालोनी से नामांकन भरा है. किरण राठोड ने 9-ब से पूर्व नगरसेवक उमेश पाटिल की पत्नी दर्शना उमेश पाटिल ने प्रभाग क्र. 2-अ से अर्चना रसाल पाटिल ने 3-ब से और दिनेश गायकवाड़ ने कांग्रेस की तरफ से नामांकन दाखिल किया है. अभी तक शिवसेना शिंदे, भाजपा, मनसे, प्रहार जनशक्ति पक्ष, शिवसेना उबाठा, राकांपा (अप), राकांपा (शप) के दिग्गज नेताओं द्वारा एवं नगराध्यक्ष के लिए नामांकन नहीं आए हैं. सोमवार को नामांकन के आखिरी दिन सैकड़ों की भीड़ होने की संभावना है.

‘प्रदूषण मुक्त उल्हासनगर’ का संकल्प

उल्हासनगर. मनपा आयुक्त एवं प्रशासक मनीषा आव्हाले ने शहर में बढ़ते वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए तत्काल आदेश जारी किए हैं। बॉम्बे उच्च न्यायालय और राज्य सरकार के निर्देशों के अनुसार, शहर के सभी विभागों को प्रदूषण नियंत्रण की ज़िम्मेदारी सौंपी गई है। निर्माण स्थलों पर धूल, कचरा जलाने, प्लास्टिक के उपयोग, वायु प्रदूषण फैलाने वाली गतिविधियों और सड़कों पर धूल को नियंत्रित करने के लिए सख्त कार्यान्वयन आदेश जारी किए गए हैं और इन उपायों को तुरंत लागू करने के निर्देश दिए गए हैं।

शहर में वायु प्रदूषण को रोकने के लिए मनपा प्रशासन सक्रिय हो गया है। बॉम्बे उच्च न्यायालय द्वारा स्थानीय निकायों को वायु प्रदूषण कम करने के लिए दिए गए निर्देशों के अनुरूप, आयुक्त मनीषा आव्हाले ने प्रशासन को तुरंत सख्त उपाय लागू करने का आदेश दिया है। तदनुसार, शहर के प्रत्येक विभाग को विशिष्ट ज़िम्मेदारियाँ सौंपी गई हैं। नगर नियोजन विभाग को सभी निर्माण मालिकों को वायु प्रदूषण नियमों का पालन करने के लिए नोटिस जारी करने का निर्देश दिया गया है। निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रण के लिए जाल लगाना, सड़कों पर पानी का छिड़काव करना और निर्माण स्थलों पर कचरे का उचित प्रबंधन करना अनिवार्य कर दिया गया है।

उल्लंघन होने पर निर्माण कार्य रोक दिया जाएगा

वार्ड समितियों के सहायक आयुक्तों को अपने क्षेत्रों में निर्माण स्थलों का नियमित निरीक्षण करने और नियमों का पालन हो रहा है या नहीं, इसकी जाँच करने के निर्देश दिए गए हैं। यदि कोई उल्लंघन पाया जाता है, तो निर्माण कार्य तुरंत रोकने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, अमृत योजना, भूमिगत सीवर, जलापूर्ति योजनाओं आदि जैसी सरकारी परियोजनाओं से उत्पन्न धूल को नियंत्रित करने के लिए नियमित रूप से पानी का छिड़काव (मिस्ट स्प्रे मशीन) और डस्ट स्वीपिंग मशीन (डस्ट स्वीपिंग मशीन) चलाने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि सड़कों को साफ रखने पर ध्यान केंद्रित किया जा सके।

स्वास्थ्य और जनसंपर्क विभाग की भी ज़िम्मेदारी

जन स्वास्थ्य विभाग को एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाने, कचरे को जलाने पर रोक लगाने और वैज्ञानिक तरीके से कचरे का प्रबंधन करने के आदेश दिए गए हैं। इस बात पर ज़ोर दिया गया है कि कचरे का निपटान इस तरह किया जाए कि उससे दुर्गंध और धुआँ न निकले। जनसंपर्क विभाग को प्रदूषण नियंत्रण उपायों के बारे में मीडिया को नियमित रूप से जानकारी देने के निर्देश दिए गए हैं।

वायु गुणवत्ता की नियमित जाँच की जाएगी

पर्यावरण विभाग को वायु गुणवत्ता की नियमित जाँच और प्रदूषण कम करने के लिए आवश्यक उपायों को लागू करने की ज़िम्मेदारी सौंपी गई है। शहर में वायु प्रदूषण कम करने के लिए सभी विभाग समन्वय से काम करें, इसमें किसी भी प्रकार की देरी या ढिलाई नहीं बरती जाएगी। आयुक्त मनीषा अव्हाले ने स्पष्ट निर्देश दिए कि आदेश का कड़ाई से पालन किया जाए।

महत्वपूर्ण बिंदु...

1) सभी निर्माण स्थलों को प्रदूषण नियंत्रण नियमों का पालन करने हेतु नोटिस।
2) नियमों का उल्लंघन होने पर निर्माण कार्य तुरंत रोकने का अधिकार।
3) मिस्ट स्प्रे और डस्ट स्वीपिंग मशीनों के माध्यम से नियमित धूल नियंत्रण।
4) एकल-उपयोग प्लास्टिक और कचरे को जलाने पर प्रतिबंध।
5) वायु गुणवत्ता सूचकांक की निगरानी और पर्यावरण सुधार के लिए त्वरित उपाय।
6) जन जागरूकता अभियानों के माध्यम से नागरिक भागीदारी।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

कागजों में कल्याण, हकीकत में मौतें

इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि एक ओर कई प्रमुख फसलों की पैदावार में उम्मीद से ज्यादा की बढ़ोतरी के दावे किए जा रहे हैं, देश भर में बड़ी संख्या में लोगों को मुफ्त अनाज मुहैया कराया जा रहा है, वहीं महाराष्ट्र के एक हिस्से से कुपोषण की वजह से गरीब बच्चों की मौत की खबर आती है। राज्य के आदिवासी क्षेत्र मेलघाट में इस वर्ष जून से लेकर अब तक, यानी पिछले छह महीने में पैंसठ शिशुओं की मौत हो गई, लेकिन राज्य सरकार के संबंधित विभागों ने उन परिवारों की सुध तक नहीं ली।

अब बंबई उच्च न्यायालय ने बुधवार को कई याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार को इस मसले पर कड़ी फटकार लगाई है। गौरतलब है कि मेलघाट आदिवासी बहुल इलाका है और यह कई वर्षों से कुपोषण की समस्या से ग्रस्त है। इस मामले में राज्य सरकार की दलीलें और प्रस्तुत किए गए कागजात इतने कमजोर हैं कि कोई इन पर भरोसा नहीं कर सकता। स्वाभाविक ही अदालत भी इससे असंतुष्ट रही और उसे कहना पड़ा कि कागज पर तो सब ठीक दिखता है, लेकिन वास्तविकता कोसों दूर है।

ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि जब राज्य सरकार कल्याणकारी योजनाएं चला रही है, संभवतः केंद्र सरकार की मुफ्त अनाज की योजना भी वहां चल रही होगी, तो ऐसे में संबंधित आदिवासी बहुल क्षेत्र में कुपोषण कैसे अपने पांव फैला रहा था। अगर इस क्षेत्र में शिशुओं की मौत हो रही थी, तो इसके कारणों को जानने और उन्हें समय पर दूर करने की कवायद क्यों नहीं हुई। इसमें कोई दोराय नहीं कि आदिवासी इलाकों में कुपोषण के साथ चिकित्सा का अभाव एक गंभीर समस्या है।

खासतौर पर मेलाघाट क्षेत्र में गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताएं आहार और उपचार के घोर अभाव का सामना कर रही हैं। अगर शिशुओं की माताओं को पोषक आहार के साथ चिकित्सा सहायता देने की पहल की गई होती, तो ज्यादातर शिशुओं को बचाया जा सकता था। मगर यह समझना मुश्किल है कि महानगरों की जरूरतों के लिए संसाधनों में कोई कमी न होना सुनिश्चित करने वाली सरकार गरीब तबकों या आदिवासी परिवारों के बच्चों को पोषणयुक्त भोजन मुहैया करा पाने में कोई रुचि क्यों नहीं लेती

राजग की प्रचंड जीत से लोगों की बढ़ी उम्मीदें

बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की जो अप्रत्याशित जीत हुई, उसने बिहार की यह छवि तोड़ने का काम किया कि यहां के मतदाता जाति और मजहब के आधार पर वोट करते हैं। यदि बिहार के नतीजों में सत्ता विरोधी प्रभाव नहीं दिखा तो इसका प्रमुख कारण यह रहा कि यहां के मतदाताओं ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वादों पर अधिक भरोसा किया। जहां राजद की ओर से महिलाओं को तीस हजार रुपये सालाना और हर परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी का वादा था, वहीं भाजपा-जदयू के नेतृत्व वाले राजग ने महिलाओं को दस हजार रुपये देने का वादा तो किया ही, उस पर अमल भी शुरू करके यह संदेश दिया कि वह जो कह रहा है, उसे पूरा करने को प्रतिबद्ध है। महागठबंधन का वादा अधिक लुभावना तो था, लेकिन वह पूरा किए जाने लायक नहीं दिख रहा था।

किसी को समझ नहीं आ रहा था कि आखिर हर परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देना कैसे संभव है? राजनीति में लोक-लुभावन वादे से अधिक यह महत्व रखता है कि उसे कर कौन रहा है और वह पूरा करने लायक है या नहीं? इस मामले में बिहार की जनता ने नीतीश और मोदी पर अधिक भरोसा किया तो उनके पिछले रिकार्ड के कारण। यह भी स्पष्ट है कि डबल इंजन सरकार के नारे ने बिहार में असर दिखाया।

जदयू के लिए भाजपा किस तरह एक ताकत और सहारा बनी, इसका प्रमाण यह है कि वह सबसे बड़े दल के रूप में उभरी। दूसरी ओर राजद के लिए कांग्रेस बोझ साबित हुई। उसे मात्र छह सीटें मिलीं। यदि भाजपा जदयू की ताकत बनी तो प्रधानमंत्री मोदी की सशक्त नेता की छवि और उनकी सरकार के कामकाज के कारण। राजग की जीत में मोदी की लोकप्रियता एक बड़ा कारण रही।

बिहार की जनता यह देख रही थी कि जहां मोदी के चलते भाजपा देश भर में अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत करती जा रही है, वहीं कांग्रेस खोती जा रही है। राहुल गांधी ने जहां वोट चोरी का मुद्दा उठाकर बिहार के लोगों को बरगलाने की नाकाम कोशिश की, वहीं प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषणों से राज्य के लोगों की नब्ज पर हाथ रखा। जब प्रधानमंत्री ने जंगलराज की चर्चा की तो कांग्रेस उस पर सफाई देती दिखी।

जंगलराज की चर्चा से राजद को इसलिए भी नुकसान उठाना पड़ा, क्योंकि उसके कई समर्थकों ने यह दिखाया कि यदि महागठबंधन सत्ता में आया तो कानून एवं व्यवस्था को चुनौती दी जाएगी। राजद की जो छवि लालू यादव के समय बनी, उससे वह अब भी मुक्त नहीं हो सकी है। यह छवि उसके लिए फिर से परेशानी का सबब बनी।

तेजस्वी यादव से उम्मीद थी कि वह बीस साल पुरानी राजद की छवि को तोड़कर एक सार्थक और समन्वय वाली राजनीति की तरफ आगे बढ़ेंगे, पर वे ऐसा कर नहीं सके। वे अपने समर्थकों को संयमित आचरण के लिए भी समझा नहीं सके। इसी का उल्लेख करते हुए मोदी ने आगाह किया कि कट्टा वाली सरकार की वापसी नहीं होनी चाहिए।

राजग की बड़ी जीत में जहां प्रधानमंत्री मोदी की सशक्त नेता की छवि काम आई, वहीं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की कुशल प्रशासक और बेदाग नेता की छवि भी एक बड़ा आधार बनी। नीतीश ने मतदाताओं के एक बड़े वर्ग को अपने पक्ष में गोलबंद किया है। इसमें सबसे प्रभावी वर्ग है महिलाओं का। मोदी की तरह नीतीश भी महिलाओं को अपने पक्ष में लाने के लिए सक्रिय हैं।

अपने शासनकाल के प्रारंभ में उन्होंने स्कूली लड़कियों को साइकिल देकर महिला मतदाताओं को अपनी ओर आकर्षित किया, फिर उन्हें स्थानीय निकायों के साथ नौकरी में आरक्षण देने के साथ उनके हित में अन्य कई फैसले किए। इनमें एक बड़ा फैसला शराबबंदी का रहा। शराबबंदी भले ही प्रभावी ढंग से लागू न हो सकी हो, लेकिन महिलाएं उसे अपने हित में मानती हैं। बिहार में सड़कों का जो जाल बिछा है और बिजली, पानी की सुविधा बढ़ने के साथ कानून एवं व्यवस्था में जो सुधार हुआ है, उसका श्रेय नीतीश कुमार को जाता है।

हम सारे संसार को तो नहीं बदल सकते, लेकिन हम अपने व्यक्तिगत संसार को अवश्य बदल सकते हैं।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

टीबी केस घट रहे, लेकिन खतरा क्यों नहीं?

दुनिया भर में तपेदिक या टीबी के उन्मूलन का लक्ष्य हासिल करना दशकों से एक जटिल चुनौती है। समय-समय पर इस बीमारी से संबंधित नए तथ्य और इलाज को लेकर जिस तरह के आंकड़े और ब्योरे सामने आते रहे हैं, वे इस रोग से उपजी व्यापक समस्या से पार पाने की दिशा में एक निरंतरता का बयान तो करते हैं, लेकिन तपेदिक को पूरी तरह खत्म कर पाना अब तक संभव नहीं हो पाया है। भारत में इस रोग से प्रभावित वर्गों की जीवन-स्थितियां और उनके जितने स्तर रहे हैं, उसमें अनुकूल नतीजे तक पहुंचना थोड़ा और जटिल हो जाता है। मगर अब इस दिशा में एक राहत देने वाली खबर आई है कि भारत में टीबी के मामलों में तेजी से गिरावट आ रही है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन की वैश्विक तपेदिक (टीबी) रपट, 2025 के मुताबिक भारत में हर वर्ष टीबी के नए मामलों में इक्कीस फीसद तक की कमी आई है। 2015 में प्रत्येक एक लाख की आबादी पर यह संख्या जहां दो सौ सैंतीस थी, वहीं वर्ष 2024 में घट कर प्रति लाख जनसंख्या पर एक सौ सत्तीस हो गई।

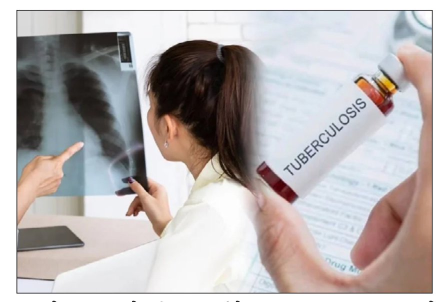

जाहिर है, टीबी के नए मामलों में इतनी कमी इस रोग को देश से पूरी तरह खत्म करने के लिए काफी नहीं है, लेकिन बीते कुछ वर्षों के दौरान इस गिरावट को काफी अहम माना जा सकता है। इसी क्रम में सरकार ने भी इस वर्ष के अंत तक टीबी को देश से पूरी तरह खत्म करने का लक्ष्य रखा है। मगर अब भी इस रोग के प्रभाव क्षेत्र और जड़ों की जो वास्तविक तस्वीर है, उसमें इसके पूरी तरह उन्मूलन के लिए और ज्यादा ठोस कदम उठाने की जरूरत लगती है। दरअसल, नए मामलों में तेजी से गिरावट निश्चित रूप से एक उम्मीद पैदा करती है, लेकिन अब भी टीबी की वजह से होने वाली मौतों को कम करने का लक्ष्य काफी दूर है। पिछले वर्ष सरकार ने संसद में बताया था कि सन 2023 में देश में टीबी से पचासी हजार लोगों की मौत हो गई थी। हालांकि सरकार का कहना है कि नई तकनीकों के ज्यादा से ज्यादा उपयोग, सेवाओं को निचले स्तर तक पहुंचाना और बड़े पैमाने पर इस रोग के प्रति लोगों को जागरूक करने की वजह से टीबी के उपचार के दायरे में काफी विस्तार होगा और इससे इस रोग को खत्म करने में मदद मिलेगी।

सवाल है कि इस आशावाद के समांतर सरकार क्या जमीनी स्तर पर तपेदिक की मार से प्रभावित वर्गों तक दवाओं और उपचार की पहुंच सुनिश्चित कर पा रही है, ताकि टीबी उन्मूलन का उद्देश्य समय पर हासिल किया जा सके। यह छिपा नहीं है कि टीबी उन्मूलन के मकसद के साथ जद्दोजहद करते देश में जमीनी स्तर पर चिकित्सकों, स्वास्थ्यकर्मियों और कार्यकर्ताओं की काफी कमी है। तपेदिक के कई मरीज इस आर्थिक हालत में होते हैं कि सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में अभाव की स्थिति में अगर उन्हें दवा बाहर से लेनी पड़े तो वे खुद को लाचार पाते हैं। ऐसे तमाम लोग हैं, जिनकी रिहाइश रोशनी, साफ पानी और हवा की उपलब्धता से वंचित है तथा वे पोषक तत्त्वों से भरपूर खाद्य पदार्थ के अभाव से भी दो-चार हैं। ऐसे में तपेदिक जैसा रोग तेजी से अपने पांव फैलाता है। मगर इस बीमारी को खत्म करने के मकसद से किए जा रहे प्रयास के अगर सकारात्मक नतीजे सामने आ रहे हैं, तो यह अच्छा है। जरूरत इस बात की है कि तपेदिक के समूचे देश से उन्मूलन को लेकर एक ठोस कार्ययोजना पर काम हो और अपेक्षित नतीजे हासिल किए जाएं।

आदिवासियों के विवाह की अनोखी परंपरा

हिंदू रीति रिवाज की शादी तो आपने देखी ही होगी, लेकिन क्या आप जानते हैं कि आदिवासी रीति रिवाज में बड़ी खूबसूरती के साथ मंडप में 4-5 चीज रखी जाती है. जिसका बहुत ही गहरा मतलब होता है.

जरा हट के

झारखंड के जाने वाले साहित्यकार महादेव टोप्पो बताते हैं कि हम प्रकृति को ही भगवान मानते हैं. हमारे लिए प्रकृति ही सब कुछ है. क्योंकि, हमारा मानना है कि जो प्रकृति देती है. वही हमारी मां है. ऐसे में जब शादी होती है, तो प्राकृतिक चीज मंडप में काफी मायने रखती है.

उन्हीं को साक्षी मानकर शादी की रस्में निभाई जाती हैं.

आदिवासियों में खासतौर पर मंडप में कुछ चीज रखी जाती हैं. जैसे सुई धागा या फिर बैलगाड़ी के जुआड़. इन सभी के पीछे बड़ी ही अनोखी और बड़ी ही सुंदर मान्यता है.

बैलगाड़ी के जुआड़ (लकड़ी) को मंडप में रखा जाता है. जो दर्शाता है कि जिस तरह 2 बैल मिलकर गाड़ी का बोझ उठाते हैं, उसी तरह पति-पत्नी को मिलकर घर की जिम्मेदारियां निभानी है.

मूसल और ओखली का उपयोग अनाज कूटने के लिए किया जाता है. यह इस बात का प्रतीक है कि विवाह के बाद परिवार की अच्छी बातों को अपनाना है और बुरी बातों को छोड़ देना है. जैसे अनाज से भूसा अलग किया जाता है.

मंडप में सुई-धागे को भी रखा जाता है. यह बताता है कि जैसे सुई-धागा फटे हुए कपड़ों को जोड़ता है, वैसे ही पति-पत्नी को मनमुटाव होने पर रिश्तों को समझदारी से जोड़ना चाहिए. चीज तो टूटती रहती है, लेकिन इसका सॉल्यूशन ढूंढना चाहिए. दो अलग चीजों को भी सुई के माध्यम से जोड़कर एक कर लेना चाहिए.

इसके अलावा तीन तरह के अलग-अलग पेड़ के बड़े-बड़े डाल होते हैं. दरसल, जिस तरीके से सनातन धर्म में ब्रह्मा, विष्णु, महेश को शादी में प्राथमिकता दी जाती है, तो यह तीन लकड़ी उन्हीं का निशानी माने जाते हैं. इसका मतलब शादी में इन तीनों का आशीर्वाद मिल गया.

खाना-खजाना

मटर मशरूम मसाला

मशरूम प्रोटीन और विटामिन-डी का अच्छा सोर्स है, जबकि मटर इसे हल्की मिठास और बेहतरीन रंगत देते हैं। इन दोनों का साथ जब तीखे मसालों और गाढ़ी, मलाईदार ग्रेवी से मिलता है, तो यह हर किसी के लिए एक कम्प्लीट और टेस्टी मील बन जाता है। आइए, बिना देर किए जानते हैं इसकी आसान रेसिपी।

सामग्री

सब्जी: 200 ग्राम मशरूम (साफ करके कटे हुए), 1 कप हरी मटर (ताजा या फ्रोजन)

ग्रेवी के लिए: 2 प्याज (बारीक कटे हुए), 2 टमाटर (प्यूरी), 1 चम्मच अदरक-लहसुन का पेस्ट।

मसाले: 1/2 चम्मच हल्दी, 1 चम्मच धनिया पाउडर, 1 चम्मच लाल मिर्च पाउडर (या स्वादानुसार), 1/2 चम्मच गरम मसाला, नमक स्वादानुसार।

तड़का: 2 बड़े चम्मच तेल/घी, 1 तेज पत्ता, 1/2 चम्मच जीरा।

विधि

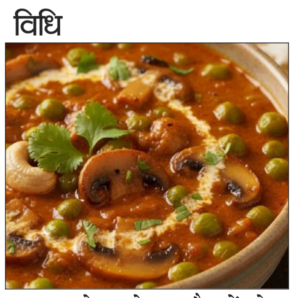

सबसे पहले एक पैन में थोड़ा सा तेल गर्म करें और कटे हुए मशरूम को हल्का सुनहरा होने तक भून लें। इससे मशरूम का स्वाद बढ़ जाता है और वो पानी नहीं छोड़ते। अब इन्हें बाहर निकाल लें। उसी पैन में बचा हुआ तेल/घी डालें। जब तेल गर्म हो जाए, तो जीरा और तेज पत्ता डालें। जब जीरा चटकने लगे, तो बारीक कटा प्याज डालें और सुनहरा होने तक अच्छी तरह भूनें। प्याज भुन जाने पर अदरक-लहसुन का पेस्ट डालें और 1 मिनट तक भूनें। अब हल्दी, धनिया पाउडर और लाल मिर्च पाउडर डालकर धीमी आंच पर 30 सेकंड तक भूनें। तुरंत बाद टमाटर की प्यूरी और नमक डालें। ग्रेवी को तब तक पकाएं जब तक कि तेल किनारों से अलग न होने लगे। इसका मतलब है कि मसाले अच्छी तरह पक चुके हैं। अब भुने हुए मशरूम और हरी मटर डालें। इसे मसाले के साथ अच्छी तरह मिलाएं। अपनी पसंद के अनुसार गाढ़ी या पतली ग्रेवी के लिए लगभग 1 कप पानी डालें। गरम मसाला डालकर मिलाएं। पैन को ढक दें और धीमी आंच पर 5 से 7 मिनट तक पकाएं, ताकि मटर नरम हो जाए और सभी स्वाद आपस में घुल-मिल जाएं।

बहुत ज्यादा झड़ रहे हैं बाल तो करा लें टेस्ट

हो सकती है इन विटामिन और मिनरल्स की कमी

बालों का झड़ना आज की बहुत आम लेकिन सीरियस प्रॉब्लम बन चुकी है, खासकर महिलाओं में स्ट्रेस, हार्मोनल बदलाव, प्रदूषण, केमिकल्स युक्त प्रॉडक्ट्स, थायरॉइड जैसी हेल्थ प्रॉब्लम्स इसके पीछे जिम्मेदार हो सकती हैं, लेकिन एक अनदेखा कारण जो अक्सर नजरअंदाज हो जाता है, वह है शरीर में आवश्यक विटामिन और मिनरल्स की कमी। जब शरीर को जरूरी पोषक तत्व नहीं मिलते तो इसका असर सबसे पहले बालों की सेहत पर पड़ता है।

बाल धीरे-धीरे पतले, कमजोर और बेजान होकर झड़ने लगते हैं। इसलिए अगर बाल अत्यधिक झड़ रहे हैं या ग्रोथ रुक गई है, तो सबसे पहले शरीर में जरूरी पोषक तत्वों की जांच करानी चाहिए। तो आइए जानते हैं उन जरूरी विटामिन्स और मिनरल्स के बारे में जिनकी कमी बालों के झड़ने का प्रमुख कारण बन सकती है

- **आयरन**

महिलाओं में अक्सर पीरियड्स, प्रेग्नेंसी या खराब डाइट के कारण आयरन की कमी हो जाती है। यह कमी शरीर में ऑक्सीजन की आपूर्ति कम कर देती है, जिससे बालों की जड़ें कमजोर हो जाती हैं और बाल झड़ने लगते हैं।

- **विटामिन डी**

यह स्कैल्प में नए हेयर फॉलिकल्स बनाने और पुराने को स्वस्थ रखने में मदद करता है। इसकी कमी से बालों का झड़ना और ग्रोथ का धीमा होना आम हो जाता है। आजकल धूप से दूर रहना इस विटामिन की कमी का मुख्य कारण है।

- **बायोटिन (विटामिन बी7)**

बायोटिन बालों के विकास के लिए जरूरी है। इसकी कमी से बाल रूखे, बेजान और जल्दी टूटने वाले हो जाते हैं। यह विटामिन अंडा, नट्स और साबुत अनाज में भरपूर पाया जाता है।

- **विटामिन बी12**

यह विटामिन रेड ब्लड सेल्स बनाने में मदद करता है जो बालों की जड़ों तक पोषण पहुंचाते हैं। इसकी कमी से बाल कमजोर होकर गिरने लगते हैं, साथ ही थकावट भी महसूस होती है।

- **जिंक**

जिंक की कमी से स्कैल्प ड्राई और इरिटेटेड हो सकती है, जिससे बाल टूटने और झड़ने लगते हैं। यह हेयर टिशू रिपेयर में भी अहम भूमिका निभाता है।

- **फोलिक एसिड**

यह नए सेल्स के निर्माण में सहायक है और बालों को तेजी से बढ़ने में मदद करता है।

- **विटामिन ए और ई**

विटामिन-ई स्कैल्प को हाइड्रेटेड रखता है, वहीं विटामिन-ए ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से लड़ता है, जिससे बाल स्वस्थ रहते हैं।

- **प्रोटीन**

बाल केराटिन नामक प्रोटीन से बने होते हैं, इसलिए डाइट में प्रोटीन की कमी से बाल पतले और कमजोर हो सकते हैं।

अगर आपके बाल लगातार झड़ रहे हैं या बेजान हो गए हैं, तो केवल बाहरी देखभाल काफी नहीं। आपको शरीर के भीतर की कमी को समझना और सुधारना होगा।

आज का राशिफल

मेष : लाभ के अवसर हाथ आएंगे। रोजगार में वृद्धि होगी। मित्रों की सहायता कर पाएंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। शेयर मार्केट में सोच-समझकर निवेश करें। कष्ट, भय, चिंता तथा तनाव का वातावरण बन सकता है। कुसंगति से हानि होगी। कम प्रयास से ही कार्यसिद्धि होगी।

वृषभ : जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। आय बनी रहेगी। भाइयों का सहयोग मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। आज के काम कल पर नहीं टालें। विवेक का प्रयोग करें। लाभ होगा। दुष्टजनों से सावधान रहें, हानि पहुंचा सकते हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। कहीं से बुरी खबर मिल सकती है।

मिथुन : जल्दबाजी में कोई भी लेन-देन न करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। फालतू खर्च होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। सट्टे व लॉटरी के चक्कर में न पड़ें। नौकरी में अधिकार बढ़ेंगे। घर-बाहर प्रसन्नता का वातावरण रहेगा।

कर्क : किसी अपरिचित व्यक्ति पर अंधविश्वास न करें। समय नेष्ट है। नकारात्मकता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर खर्च होगा। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। चिंता तथा तनाव में वृद्धि होगी।

सिंह : शत्रु शांत रहेंगे। धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। मित्रों का सहयोग मिलेगा। नए कार्य प्रारंभ करने की योजना बनेगी। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। भाग्य का साथ रहेगा।

कन्या : संतान पक्ष से स्वास्थ्य तथा अध्ययन संबंधी चिंता रहेगी। नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं मिलेगा। कार्यशैली में परिवर्तन करना पड़ सकता है। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड मनोनुकूल लाभ देंगे।

तुला : थकान व कमजोरी रह सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। किसी धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति मनोनुकूल होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। सुख के साधनों की प्राप्ति हो सकती है। धन प्राप्ति सुगम होगी।

वृश्चिक : प्रेम-प्रसंग में हड़बड़ी न करें। विवाद हो सकता है। नकारात्मकता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। युवक व युवती विशेष सावधानी बरतें। विवाद को बढ़ावा न दें। स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। आय में निश्चितता रहेगी।

धनु : कानूनी बाधा संभव है। हल्की हंसी-मजाक करने से बचें। विरोधी सक्रिय रहेंगे। धनहानि किसी भी तरह हो सकती है। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। घर-बाहर प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ में वृद्धि होगी।

मकर : सुख के साधनों पर व्यय होगा। स्थायी संपत्ति में वृद्धि के योग हैं। प्रॉपर्टी के काम बड़ा लाभ दे सकते हैं। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। नौकरी में सुख-शांति रहेंगी। निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे अपमान हो। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

कुंभ : मनोरंजक यात्रा की आयोजना हो सकती है। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। मित्र व संबंधियों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। कारोबार मनोनुकूल रहेगा। जोखिम न लें। आंखों को रोग व चोट से बचाएं। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

मीन : दूसरों के काम में हस्तक्षेप न करें। दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है। अपेक्षित कार्यों में विलंब होने से खिन्नता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। भागदौड़ रहेगी। जोखिम न लें। कष्ट, भय, चिंता तथा तनाव का वातावरण बन सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। वाणी पर नियंत्रण रखें।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

घर का टॉयलेट ऐसे करें क्लीन

टॉयलेट सीट को चमकदार रखने के लिए सबसे कारगर उपाय है बेकिंग सोडा और सिरके का इस्तेमाल करना. ये दोनों चीजें लगभग हर घर में मौजूद रहती हैं और इनकी सफाई क्षमता बेहद मजबूत होती है. बस आधा कप बेकिंग सोडा सीट पर छिड़क दें और ऊपर से थोड़ा सिरका डाल दें. कुछ देर बाद जब ये झाग बनाने लगे तो ब्रश से हल्का रगड़कर साफ कर दें. सीट तुरंत चमक उठेगी.

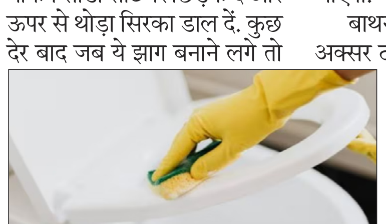

अगर सीट पर पीलेपन या जिद्दी दाग की समस्या है तो नींबू और नमक का कॉम्बिनेशन बहुत असरदार होता है. नींबू का एसिड दागों को ढीला करता है जबकि नमक स्क्रबर की तरह काम करता है. इसके लिए नींबू के रस में थोड़ा नमक मिलाकर दाग पर लगा दें और दस मिनट बाद ब्रश से साफ करें. यह तरीका बदबू भी दूर करता है और सीट को एकदम साफ दिखाता है.

घर में हाइड्रोजन पेरॉक्साइड हो तो उसका इस्तेमाल भी टॉयलेट सीट की सफाई में किया जा सकता है. यह एक बेहतरीन नैचुरल डिसइंफेक्टेंट है जो बैक्टीरिया को खत्म करता है. इसके लिए सीट पर हल्का-सा पेरॉक्साइड स्प्रे करें और पांच मिनट बाद पानी से साफ कर दें. सीट न सिर्फ चमकदार दिखेगी बल्कि कीटाणुओं से भी मुक्त हो जाएगी.

बाथरूम की नमी के कारण अक्सर टॉयलेट सीट पर फंगस या काले धब्बे बनने लगते हैं. इसे रोकने के लिए सीट को समय-समय पर गर्म पानी से साफ करें. गर्म पानी दाग और बैक्टीरिया को ढीला कर देता है और सीट का रंग भी फीका नहीं होने देता. इसके साथ ही हफ्ते में एक बार किसी भी प्राकृतिक क्लीनर से सीट को वाइप करना जरूरी है.

टॉयलेट सीट को लंबे समय तक नया बनाए रखने के लिए नियमित सफाई सबसे जरूरी है. हर दो दिन में सीट को बेकिंग सोडा या नींबू वाले घोल से साफ करते रहें. इससे दाग जमने नहीं पाते और सीट हमेशा चमकदार रहती है. साथ ही सफाई के बाद सीट को सूखा छोड़ना भी जरूरी है क्योंकि नमी ही बैक्टीरिया को बढ़ाती है. घरेलू उपायों से आप बिना ज्यादा खर्च किए बाथरूम को हमेशा साफ-सुथरा रख सकते हैं.

सर्दियों में स्किन क्यों होती है ड्राई?

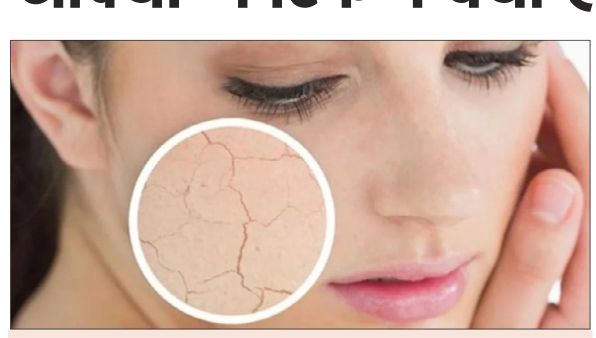

सर्दियां शुरू होते ही सबसे पहली दिक्कत स्किन पर दिखती है. चेहरे पर खिंचाव, हाथ-पैरों पर सफेद-सफेद निशान और होंठों का फटना... ये सब किसी न किसी को झेलना ही पड़ता है. लेकिन अच्छी बात यह है कि कुछ आसान आदतों से आप अपनी स्किन को पूरी सर्दी सॉफ्ट और हेल्दी रख सकते हैं.

नहाने का पानी जितना गरम होगा, स्किन उतनी सूखेगी

ठंड में हम सब गरम पानी से नहाना पसंद करते हैं. लेकिन बहुत ज्यादा गरम पानी स्किन की नेचुरल नमी को खींच लेता है. इससे स्किन और ज्यादा सूखी लगने लगती है. इसलिए कोशिश करें कि पानी हल्का गुनगुना हो. चेहरा धोते समय भी गर्म पानी से बचें.

नहाने के तुरंत बाद मॉइस्चराइजर लगाना क्यों जरूरी

डॉक्टर्स कहते हैं कि स्किन तब सबसे अच्छी तरह नमी पकड़ती है जब वह हल्की गीली होती है. इसीलिए नहाने के 2–3 मिनट के अंदर मॉइस्चराइजर लगाएं. इससे नमी लॉक हो जाती है और स्किन देर तक नरम रहती है.

कैसा मॉइस्चराइजर सबसे अच्छा रहता है

बहुत लोग सोचते हैं कि कोई भी क्रीम लगा लें, काम चल जाएगा. लेकिन सर्दियों में कुछ खास इंग्रीडिएंट बेहतर काम करते हैं. ऐसी क्रीम चुनें जिसमें हायल्यूरोनिक एसिड, सेरामाइड्स, ग्लिसरीन या शिया बटर हो. ये स्किन पर एक प्रोटेक्टिव लेयर बनाते हैं और घंटों तक नमी को अंदर बंद रखते हैं.

साबुन कम, माइल्ड और खुशबू रहित इस्तेमाल करें

हार्श साबुन स्किन को और रूखा बनाता है. बहुत ज्यादा झाग वाले या तेज खुशबू वाले सोप से बचें. फ्रेगरेंस फ्री, माइल्ड बॉडी वॉश या साबुन इस्तेमाल करें. इससे स्किन का नेचुरल ऑइल बना रहता है.

हफ्ते में एक-दो बार हल्का एक्सफोलिएशन

डेड स्किन जमा होने से क्रीम भी ठीक से काम नहीं करती. लेकिन स्क्रब बहुत हार्ड नहीं होना चाहिए. हफ्ते में सिर्फ एक या दो बार हल्का एक्सफोलिएशन करें ताकि स्किन साफ और स्मूथ बनी रहे.

हीटर चलाने से हवा सूखती है, ह्यूमिडिफायर मदद करता है

सर्दियों में कमरे में हीटर चलते रहते हैं, जिससे हवा सूख जाती है और इसका असर सीधा स्किन पर पड़ता है. अगर संभव हो तो कमरे में छोटा सा ह्यूमिडिफायर रखें. यह हवा में नमी बनाए रखता है और स्किन कम सूखती है.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

महिला की नग्न लाश की गुत्थी सुलझी, विवेचना कर रहे दारोगा ने ही उतारा मौत के घाट

हमीरपुर. यूपी के हमीरपुर में मौदहा कोतवाली के बसवारी मार्ग पर बरामद हुई 30 वर्षीय महिला की नग्न लाश की गुत्थी पूरी तरह से सुलझ गई है। पति के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने वाली महिला की नजदीकियां दारोगा से बढ़ गई थीं। दोनों 12 नवंबर को कार में सवार होकर निकले थे। बीच रास्ते दारोगा ने महिला की लोहे की रॉड से प्रहार कर हत्या कर दी। सड़क किनारे शव फेंककर फरार हो गया। पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल लोहे की रॉड और कार बरामद कर ली है। दरोगा ने वारदात के समय जो टीशर्ट पहनी थी, वो भी मिल गई है। दरोगा मूलरूप से जनपद रायबरेली के थाना लालगंज के महमदमऊ गांव का निवासी है। एसपी डॉ.दीक्षा शर्मा ने बताया कि 13 नवंबर को मौदहा कोतवाली के बसवारी मार्ग पर एक महिला का नग्नावस्था में शव मिला था। उसी दिन थाने में चौकीदार की तहरीर पर अज्ञात के विरुद्ध हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराकर मामले की जांच शुरू कर दी गई थी। मृतका महोबा जनपद के कबरई थानाक्षेत्र के एक गांव की निवासी थी।

अयोध्या में बड़ा हादसा; तेज रफ्तार कंटेनर ने पिकअप को मारी टक्कर, 2 की मौत, 3 घायल

अयोध्या. अयोध्या में रविवार की सुबह भीषण हादसा हुआ है। रौनाही थाने से कुछ दूरी पर नेशनल हाईवे पर स्थित लखौरी ओवर ब्रिज बिजली भवानी धार्मिक स्थल के पास पिकअप को तेज रफ्तार कंटेनर ने पीछे से जबरदस्त टक्कर मार दी है। हादसे में पिकअप चालक सहित दो की मौत हो गई। जबकि पिकअप सवार व डीसीएम चालक सहित तीन लोग घायल हो गए है। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती करवाया है। रविवार को सुबह अयोध्या से चलकर लखनऊ को जाने वाली पिकअप नेशनल हाईवे पर स्थित लखौरी ओवाब्रिज पर खराब हो गई। इस दौरान पिकअप चालक ओवर ब्रिज पर खराब पिकअप को ठीक कर रहा था। इसी दौरान एक डीसीएम भी आ गई। जिसे पिकअप चालक ने रोका और डीसीएम चालक से भी खराब पिकअप को ठीक करवाने में सहयोग मांग बैठा। दोनों वाहनों के चालक पिकअप में गड़बड़ी देख रहे थे।

सोनभद्र के खदान में मजदूरों की तलाश जारी, पूरी रात चला रेस्क्यू, 15 अब भी दबे

सोनभद्र. सोनभद्र में ओबरा के बिल्ली मारकुंडी खनन क्षेत्र में खदान घंसने से दबे अब भी 15 मजदूर अंदर ही हैं। खदान में पानी भरा होने और रास्ता ठीक न होने के कारण मलबा हटाने ने दिक्कत हो रही है। रास्ता बनाने के कार्य में मशीनें लगाई गईं। मलबा स्थल तक पहुंचने के लिए पत्थर, गिट्टी डालकर रास्ता बनाया गया है। सीएम योगी के निर्देश पर आला अधिकारी मौके पर पहुंचे हैं। एडीजी जोन पीयूष मोर्डिया भी घटनास्थल पर पहुंचे। एसपी अभिषेक वर्मा से घटना के संबंध में जानकारी ली। मंडलायुक्त मिर्जापुर राजेश प्रकाश और आईजी मिर्जापुर आरपी सिंह भी पहुंच गए। फिलहाल एक शव बरामद किया गया है। तीन की मौत हुई है। हालांकि डीएम ने दो लोगों के मौत की पुष्टि की है।

बिहार में नई कैबिनेट का संभावित फॉर्मूला

पटना. बिहार चुनाव में एनडीए ने भारी बहुमत हासिल किया है। एनडीए को 202 विधानसभा सीटों पर जीत मिली है तो विपक्षी महागठबंधन मात्र 35 सीटों पर सिमट गया है। अब सरकार गठन की कवायद तेज हो गई है। बिहार की नई एनडीए सरकार का स्वरूप कैसा होगा, किस दल से कितने मंत्री बनेंगे यह सवाल बिहार वासियों के मन में कौंध रहा है। सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के मुताबिक किस दल से कितने मंत्री होंगे इस पर मोटा मोटी सहमति बन गई है। हालांकि अंतिम समय में इसमे फेरबदल की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

सूत्रों के हवाले से बताया है कि सीएम नीतीश कुमार के अलावे जेडीयू से 14+1 विधायक मंत्री बन सकते हैं। इसी प्रकार

विधायकों की संख्या को देखते हुए बीजेपी के 15 से 16 विधायक मंत्री बन सकते हैं। चिराग पासवान की लोजपा आर के 3 मंत्री बनाए जाने की संभावना है। वहीं जीतनराम मांझी की हम और उपेंद्र कुशवाहा की रालोमो के एक विधायक मंत्री बन सकते हैं। उपेंद्र कुशवाहा की पत्नी स्नेह लता देवी और जीतनराम मांझी के पुत्र संतोष कुमार सुमन के मंत्री बनने की चर्चा हो रही है।

जानकारी के अनुसार नीतीश मुख्यमंत्री बनेंगे और भाजपा से दो डिप्टी सीएम हो सकते हैं। उनके अलावा लोजपा से एक डिप्टी सीएम हो सकता है। बीजेपी के सम्राट चौधरी डिप्टी सीएम फिर से बन सकते हैं। लोजपा के 19 विधायक जीतकर आए हैं। पार्टी चीफ और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान न सिर्फ इलेक्शन में ऐक्टिव रहे बल्कि अभी भी पटना में जमे हुए हैं। शनिवार को उन्होंने सीएम आवास जाकर नीतीश कुमार से मुलाकात की।

डिप्टी सीएम के तौर पर विजय सिन्हा का पत्ता कट सकता है। जदयू से सीएम तो बीजेपी से विधानसभा स्पीकर होंगे। विजय सिन्हा को फिर से इसका जिम्मा मिल सकता है। 2020 में भी उन्हें स्पीकर बनाया गया था।

जन सुराज पार्टी का खाता भी नहीं खुला

इस बार के चुनाव में जदयू को 85 तो बीजेपी को 89 सीटें मिलीं। चिराग की लोजपा को 19, मांझी की हम को पांच तो उपेंद्र कुशवाहा की रालोमो से 4 सीटों पर सफलता मिली। विपक्ष में राजद के 25 तो कांग्रेस के 6 उम्मीदवार जीतकर आए। माले के तीन सीपीएम के के एक विधायक हैं। असदुद्दीन औवैसी की पार्टी एआईएमआईएम ने फिर से पांच सीटों पर जीत दर्ज करने में कामयाबी हासिल किया है तो मायावती कि बहुजन समाज पार्टी(बसपा) का एक उम्मीदवार जीतकर आया। मुकेश सहनी की वीआईपी और प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी का खाता भी नहीं खुला।

तेजस्वी से नहीं संभल रहा लालू परिवार?

- पहले तेजप्रताप को निकाला
- अब रोहिणी पर फेंकी गई चप्पल

पटना. बिहार चुनाव में राजद की करारी हार के बाद लालू प्रसाद यादव का परिवार एक बार फिर सुर्खियों में है। परिवार और पार्टी से निकाले जाने के बाद लालू यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव अलग पार्टी बनाकर चुनाव मैदान में कूदे। वहीं अब उनकी बेटी रोहिणी आचार्य ने राजनीति से संन्यास लेकर परिवार से दूरी की घोषणा कर दी है। दोनों घटनाओं में एक बात समानता है। लालू-राबड़ी के दोनों संतानों ने तेजस्वी यादव के करीबी संजय यादव और रमीज पर इसका ठीकरा फोड़ा है। तेजप्रताप यादव ने तो तेजस्वी के इन करीबियों को जयचंद तक कहा और धोखा देने का आरोप लगाया।

बिहार में चुनाव अभियान शुरू होते ही तेजप्रताप यादव ने पारिवारिक और सियाली मतभेदों के बीच अपनी अलग पार्टी बना ली। यह फैसला राजद की एकजुटता पर बड़ा सवाल था। हालांकि राजद ने इसे व्यक्तिगत निर्णय बताया, लेकिन यह स्पष्ट था कि पार्टी नेतृत्व खासकर तेजस्वी यादव अपने बड़े भाई को साथ रखने में असफल रहे।

रोहिणी की विदाई, नए संकट की दस्तक

चुनाव परिणाम आने के 24 घंटे के भीतर रोहिणी आचार्य ने राजनीति और परिवार दोनों से दूरी की घोषणा कर दी। उन्होंने अपने पोस्ट में तेजस्वी के करीब माने जाने वाले संजय यादव और रमीज नेमत का जिक्र करते हुए कहा कि उन्हीं दोनों की वजह से वह परिवार से बाहर कर दी गईं। रोहिणी ने तो यहां तक कहा कि अगर इनसे राजद की हार पर सवाल पूछे जाएंगे तो उन्हें चप्पल से पीटा जा सकता है। पटना एयरपोर्ट पर रोहिणी ने मीडिया से कहा, "अब मेरा कोई परिवार नहीं है। तेजस्वी, संजय यादव और रमीज से पूछिए। उन्होंने ही मुझे अपमानित कर घर से निकाला।"

202 सीटें जीते हैं, हजम नहीं हो रहा

- बिहार चुनाव में NDA की भारी जीत पर अखिलेश यादव

लखनऊ. समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बिहार चुनाव के रिजल्ट पर बड़ा बयान दिया। रविवार को बेंगलुरु में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि नतीजे हजम नहीं हो रहे। अखिलेश ने कहा, 'आप चुनाव जीत सकते हैं या हार सकते हैं। हम लोग उनसे सीखते रहते हैं। आप लोकप्रिय हो सकते हैं, लेकिन भाजपा की मशीनरी और उनका काम करने का तरीका देखिए, जो ग्रासरूट स्तर तक जाते हैं। उदाहरण के लिए, उन्होंने कहना शुरू कर दिया है कि महिलाओं ने उन्हें बहुत ज्यादा वोट दिए। ये तो कहा जा सकता है कि उन्हें ज्यादा महिलाओं के वोट मिले। लेकिन आप कब तक 10 हजार रुपये देंगे? आप सम्मान की जिंदगी कब देंगे?' उन्होंने कहा कि अब आप 10 हजार उन लोगों को दे रहे हैं, जिनके अपने साथ रह नहीं पाते। ये दुखद है।

अखिलेश यादव ने कहा, 'बिहार और यूपी ऐसे राज्य हैं जहां सबसे ज्यादा लोग पलायन करते हैं। वे अपने परिवारों को छोड़कर चले जाते हैं। परिवार की तरह परिवार के साथ रहे, सरकार उसके लिए काम नहीं कर रही। बस 10 हजार दे दो और वोट ले लो। बाद में तो जैसा अन्य राज्यों में किया, नंबर्स कम कर दो, नियम बना दो। फिर पता चला कि हमारी मां-बहनें मदद नहीं ले पा रही हैं। महाराष्ट्र या किसी भी राज्य में ऐसा ही होता है।' एनडीए की इतनी बड़ी जीत पर अखिलेश यादव ने कहा, '202 - डबल सेंचुरी! हजम नहीं हो रहा है। मैं समझ नहीं पा रहा कि रिजल्ट कैसा है। अगर हम 200 सीटें पा सकते हैं, तो जहां ज्यादा सीटें हों - 70-80% - कोई भी राजनीतिक पार्टी जीत सकती है। तो अन्य पार्टियां, जो 90% लोगों के साथ काम कर रही हैं, वे उनसे बेहतर प्रदर्शन कर सकती हैं। अगर ये बेंचमार्क है, तो हमें इसे पार करना होगा।'

आतंकी डॉ. उमर ने घर पर ही बना रखी थी बम की फैक्ट्री

- पाकिस्तान से मिलती थी ट्रेनिंग

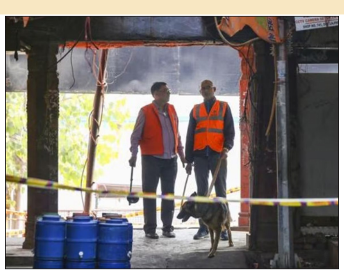

नई दिल्ली. दिल्ली कार ब्लास्ट और आतंकी डॉक्टर उमर को लेकर लगातार खुलासे हो रह हैं। दावा किया गया है कि ब्लास्ट करने वाले आतंकी ने अल फलाह यूनिवर्सिटी के पास अपने किराए के मकान में ही बम बनाने की प्रयोगशाला तैयार कर ली थी। वहीं पाकिस्तान के हैंडलर उसे ट्रेनिंग दिया करते थे। सूत्रों का कहना है कि उसने कार में आईईडी रखी थी जो कि ठीक से असेंबल नहीं थी। यह आईईडी उसने अपने घर पर ही तैयार की थी। इसी से लालकिले के सामने रेडलाइट के पास धमाका हुआ जिसमें कम से कम 12 लोगों की जान चली गई।

उमर के मकान में छापेमारी के दौरान बम की 'फैक्ट्री' पाई गई है जिसमें कई टेस्टिंग उपकरण भी मौजूद थे। फरीदाबाद से डॉ. मुजम्मिल की गिरफ्तारी के बाद उमर की इस लैब के बारे में पता चला था। टाइम्स ऑफ इंडिया कि एक रिपोर्ट में कहा गया था कि डॉ, मुजम्मिल और डॉ. अदील पाकिस्तान में बैठे जैश के हैंडलर फैसल, हाशिम और उकाशा के साथ सीधे संपर्क में थे। वे टेलिग्राम के जरिए बात करते थे।

एजेंसियों का मानना है कि डॉ. उमर बम बनाने में एक्सपर्ट था, इसीलिए उसने अपने ही घर पर लैब बनाई थी। पाकिस्तान से उसे वीडियो भेजे जाते थे। हैंडलर्स के निर्देश के मुताबिक ही केमिकल का इस्तेमाल करता था। जांच के दौरान फरीदाबाद में दो जगहों से 358 किलोग्राम और 2563 किलो विस्फोटक बरामद हुआ था।

इससे पता चलता था कि इस विस्फोटक से बम बनना अभी बाकी था। यह विस्फोटक सूटकेस और बैग में पैक था। इसमें कोई भी धाकतु का टुकड़ा नहीं था। आम तौर पर आतंकी बम में लोहे के छर्रों का इस्तेमाल करते हैं जिससे घायल होने वालों की तादाद बढ़ जाती है। एजेंसियों का कहना है कि शनिवार को नौगाम के थाने में हुआ विस्फोट भी फरीदाबाद मॉड्यूल से जुड़ा था। फरीदाबाद में बरामद किया गया विस्फोटक नौगाम थाने में जांच के लिए रखा गया था। डीजीपी ने बताया था कि सैंपलिंग के दौरान ही इसमें धमाका हो गया था।

चेन्नई में समुद्रयान आकार ले रहा

- इसके 50% हिस्से स्वदेशी

चेन्नई. चेन्नई के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओशन टेक्नोलॉजी (NIOT) में समुद्रयान आकार ले रहा है। इस वैज्ञानिक पनडुब्बी के हिस्से असेम्बल हो रहे हैं। दिलचस्प बात है कि पहले समुद्रयान के शत-प्रतिशत पार्ट्स इम्पोर्ट किए जाने थे, लेकिन कोविड और जियो पॉलिटिकल कारणों से पार्ट्स नहीं मिल पाए।

नतीजतन, अब 2025 में समुद्रयान के 50% हिस्से भारतीय संस्थानों ने ही तैयार कर लिए। NIOT के उपनिदेशक एस. रमेश ने कहा कि समुद्रयान का बेसिक फ्रेम, मत्स्य-6000, कम्युनिकेशन, नेविगेशन और कंट्रोल सिस्टम सॉफ्टवेयर भारत में ही विकसित किए गए हैं। कुछ कैमरे, सेंसर, अकॉस्टिक फोन और सिंटेक्टिक फोम आयात करने पड़े।

लक्ष्य है कि 2026 में 30 मीटर, 200 मीटर और 500 मीटर की गहराई में समुद्रयान के तीन अलग-अलग रिहर्सल और टेस्ट होंगे। सभी उपकरणों और हर हिस्सों को नार्वे की एजेंसी डीएनवी (डेट नॉर्स्क वेरीटास) से सर्टिफिकेशन हासिल हो चुका है।

आतंकी मॉड्यूल के कॉन्टैक्ट वाले 200 लोग रडार पर

डॉ. मुजम्मिल और डॉ. शाहीन ने मदद के नाम पर रुपए बांटे; अब तक 60 हिरासत में

नई दिल्ली. दिल्ली ब्लास्ट मामले की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, कई चौंकाने वाले खुलासे हो रहे है। अब सुरक्षा एजेंसियों की जांच में फरीदाबाद की अल-फलाह यूनिवर्सिटी के डॉ. मुजम्मिल और लेडी डॉ. शाहीन की मोबाइल की कॉल डिटेल और डिजिटल ट्रांसफर पेमेंट्स से चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है।

पता चला है कि आतंकियों ने अपने मकसद में कामयाब होने के लिए मदद के नाम पर कई लोगों के रुपए बांटे। उनकी पूरी साजिश का केंद्र फरीदाबाद का धौज व फतेहपुर तगा गांव और नूंह जिला रहा।

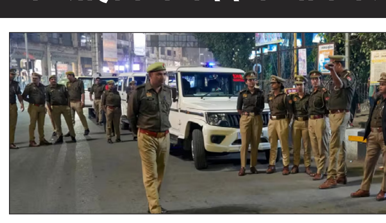

इस व्हाइट-कॉलर टेरर मॉड्यूल ने करीब 200 लोगों को किसी न किसी तरह से अपने संपर्क में रखा था। इनमें से करीब 60 लोग नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (NIA) और पुलिस की हिरासत में हैं, जबकि 40 मोबाइल फोन जब्त किए जा चुके हैं। इनमें से कई फोन एन्क्रिप्टेड ऐप्स के सस्पेक्टेड ग्रुप्स से जुड़े मिले हैं। इनके बारे में चेन बनाकर जांच की जा रही है।

धौज गांव में 76 एकड़ में फैली अल-फलाह यूनिवर्सिटी इस साजिश का मुख्य हब बनाई गई। इसके पास धौज में 360 किग्रा और फतेहपुर तगा में 2553 किग्रा अमोनियम नाइट्रेट, NPK फर्टिलाइजर, राइफल्स, पिस्टल और IED कंपोनेंट्स स्टॉक किए गए।

यूनिवर्सिटी हॉस्टल के बिल्डिंग नंबर 17, रूम नंबर 13 और 32 को गुप्त मीटिंग पॉइंट बनाया गया। यहां से बरामद डायरी में 25-30 नाम, कोडेड एंट्रीज और 8-12 नवंबर की प्लानिंग नोट्स मिले हैं।

अब मेक्सिको में फूटा जेन-जी का गुस्सा

- जमकर विरोध प्रदर्शन, पुलिसवालों पर खूब बरसाए पत्थर

मेक्सिको. जेन-जी का गुस्सा मेक्सिको में भी फूट पड़ा है। मेक्सिको सिटी की गलियों में हजारों की संख्या में प्रदर्शनकारी उमड़ पड़े। उन्होंने अपराध और भ्रष्टाचार के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया। जेन जी के इस विरोध प्रदर्शन को अन्य उम्र के लोगों का भी खूब समर्थन मिला। कुछ सोशल मीडिया पोस्ट्स में दावा किया जा रहा है कि यह विरोध प्रदर्शन चीन समर्थक राष्ट्रपति के खिलाफ हुआ। युवा प्रदर्शनकारी पुलिसवालों से भी उलझ पड़े, जिसके चलते बड़ी संख्या में लोग घायल हो गए।

पुलिस पर हमला

प्रदर्शनकारियों ने पत्थरों, डंडे और चेन से पुलिस पर हमला बोला। मेक्सिको सिटी के सुरक्षा सचिव पाब्लो वैजेक ने बताया कि करीब 120 लोग घायल हुए हैं, जिसमें 100 पुलिस वाले हैं। इस मामले में 20 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। प्रदर्शन कर रहे एक 29 वर्षीय बिजनेसमैन ने कहा कि हमें और ज्यादा सुरक्षा चाहिए। एक 43 साल की महिला फिजिशियन भी इस प्रदर्शन में शामिल हुईं। उन्होंने कहा कि वह पब्लिक हेल्थ सिस्टम के लिए अधिक फंड की मांग के साथ मार्च में शामिल हुई है। इसके अलावा उन्होंने डॉक्टरों की सुरक्षा को लेकर भी सवाल उठाए। महिला डॉक्टर का कहना था कि आज हत्या हो जाती है और कुछ नहीं होता। मेक्सिको में हाल के दिनों में कई हाई प्रोफाइल हत्याएं हुई हैं। इनमें पश्चिमी राज्य मिचोआकेन के मशहूर मेयर की हत्या भी शामिल है। खास बात यह है शनिवार को हुए विरोध प्रदर्शन में विभिन्न उम्र के लोग शामिल हुए।

भारत घर में 15 साल बाद साउथ अफ्रीका से हारा

- टीम 124 रन चेज नहीं कर सकी
- गिल बैटिंग करने नहीं उतरे
- हार्मर गेम चेंजर रहे

भारत को साउथ अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता टेस्ट में 30 रन की हार झेलनी पड़ी है। टीम 15 साल बाद अपने घर में साउथ अफ्रीका के खिलाफ कोई मैच हारी है। पिछली हार 2010 में ग्रीम स्मिथ की कप्तानी में नागपुर में मिली थी।

ईडन गार्डन्स स्टेडियम में रविवार को 124 रन का टारगेट चेज कर रही भारतीय टीम 9 विकेट पर 93 रन ही बना सकी। कप्तान शुभमन गिल बल्लेबाजी करने नहीं आए। वे एक दिन

पहले गर्दन में ऐंठन के कारण रिटायर हुए थे।

वॉशिंगटन सुंदर ने सबसे ज्यादा 31 रन बनाए। साइमन हार्मर ने मैच में कुल 8 विकेट झटके। मैच में इकलौती फिफ्टी अफ्रीकी कप्तान टेम्बा बावुमा ने लगाई। वे दूसरी पारी में 55 रन बनाकर नाबाद लौटे।

इससे पहले साउथ अफ्रीका दूसरी पारी में 153 रन पर ऑलआउट हो गई। टीम ने शुक्रवार को टॉस जीतकर पहले बैटिंग का फैसला किया और पहली पारी में 159 रन बनाए। भारत ने पहली पारी में 189 रन बनाए थे।

सब्जी बेचने वाला युवाओं को भेजता था विदेश

- जबरदस्ती कराते थे साइबर ठगी
- एक लाख की सैलरी का झांसा देकर म्यांमार भेजा

झुंझुनूं. राजस्थान के 10वीं पास युवाओं को विदेश में अच्छी नौकरी के झूठे सपने दिखाकर म्यांमार में साइबर ठगों के हवाले करने वाले 2 एजेंट पकड़े गए हैं। झुंझुनूं का सोयल अख्तर (28) और गुजरात के मोहित गिरी, दोनों मिलकर राजस्थान और गुजरात से कई युवाओं को थाईलैंड के रास्ते म्यांमार भिजवा चुके हैं। वहां उन्हें जबरन डिजिटल अरेस्ट करने और इन्वेस्टमेंट स्कीम के नाम पर साइबर ठगी के लिए मजबूर किया जाता है। बंधक बनाकर रखा जाता था। अमेरिका, कनाडा में रहे NRI को ठगने का टारगेट दिया जाता है। इसके बदले इन एजेंट्स को मोटा कमीशन मिलता था।

झुंझुनू का सोयल खान (28) कभी सब्जी का ठेला लगाता था। बाद में IT कंपनियों में छोटा-मोटा कॉन्ट्रैक्ट का काम करने लगा। सोयल युवाओं को झांसे में लेता और मोहित गिरी उनके पासपोर्ट रेडी कर बैंकॉक से म्यांमार पहुंचाने का काम करता। हाल ही में म्यांमार में साइबर ठगों के चंगुल से 500 लोगों को छुड़ाकर विशेष अभियान के तहत भारत लाया गया था। उनमें ये दोनों शातिर एजेंट भी खुद को पीड़ित बनाकर साथ आ गए थे। दिल्ली एयरपोर्ट पर सुरक्षा एजेंसियों की पूछताछ में इनके काले कारनामे सामने आए। CBI की ओर से दर्ज FIR को खंगाला, दोनों एजेंट के चंगुल में फंसे पीड़ितों की आपबीती अधिकारियों से जानने की कोशिश की।

म्यांमार से लौटे 'पीड़ितों' की गवाही रही टर्निंग पॉइंट

CBI को 11 नवंबर 2025 को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (EO-III, नई दिल्ली) की शिकायत मिली। इस शिकायत में बताया गया था कि राजस्थान, गुजरात, दिल्ली से बड़ी संख्या में युवाओं को नौकरी के नाम पर म्यांमार ले जाया जा रहा है, जहां उन्हें KK पार्क जैसे स्कैम कम्पाउंड्स में कैद कर दिया जाता है। इन कम्पाउंड्स को 'साइबर गुलामी का कारखाना' कहा जाता है, जहां कैद युवाओं से 'डिजिटल अरेस्ट फ्रॉड', 'रोमांस स्कैम' और 'इन्वेस्टमेंट फ्रॉड' जैसे अपराध करवाए जाते हैं।

उल्हासनगर महानगरपालिका
निवडणूक विभाग

मुख्य कार्यालय, दूसरा मजारा, अनामनगर 422003 जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र
Tel No: 0251-2720116/125 Ext. No. 237

उल्हासनगर महानगरपालिका सार्वत्रिक निवडणूक 2025
प्रभागनिहाय प्रारुप आरक्षण प्रसिध्दी
जाहीर सूचना

उल्हासनगर महानगरपालिकेच्या सन 2025 मध्ये होणा या सार्वत्रिक निवडणुकीसाठी अनुसूचित जातो (महिला), अनुसूचित जमाती (महिला), नागरिकांचा मागासवर्ग प्रवर्ग (महिला) व सर्वसाधारण (महिला) प्रभागनिहाय प्रारुप आरक्षण प्रसिद्धो महानगरपालिका मुख्यालय सुचना फलक व प्रभाग समिती कार्यालय येथे करण्यात येत आहे.

दिनांक 8 नोव्हेंबर, 2025 रोजीच्या जाहिर सूचनेत नमूद केल्यानुसार आरक्षणाबाबत काही हरकती व सूचना असल्यास त्या दिनांक 17 नोव्हेंबर, 2025 ते दिनांक 24 नोव्हेंबर, 2025 (दुपारी .00 वा. पर्यंत) या कालावधीत महानगरपालिका मुख्यालय, निवडणूक कार्यालय अथवा संबंधित प्रभाग समिती कार्यालय येथे सादर कराव्यात.

ऑनलाईन, ई-मेल व महानगरपालिका संकेतस्थळावर आलेल्या हरकती व सूचना स्वीकारल्या जाणार नाहीत.

ठिकाण : उल्हासनगर
दिनांक : 17 नोव्हेंबर, 2025

सही/-
(मनिषा आव्हाळे, भा.प्र.से)
आयुक्त
उल्हासनगर महानगरपालिका

जा.क, उमपा / पीआरओ/376/2025
दिनांक - 15/11/2015

देवेंद्र फडणवीस ने पूरी कर दी उद्धव ठाकरे की मुराद

- देखते रह गए एकनाथ शिंदे
- BMC चुनाव से पहले ये तोहफा क्यों?

ध्रुवराज नेटवर्क

मुंबई. महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय और बीएमसी चुनाव से पहले मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उद्धव ठाकरे की मुराद पूरी कर दी है. इस मामले में शिवसेना प्रमुख और डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे मुंह ताकते रहे लेकिन, बाजी उद्धव ठाकरे के हाथ लगी. दरअसल, महाराष्ट्र सरकार ने बालासाहेब ठाकरे राष्ट्रीय स्मारक लोक न्यास का पुनर्गठन कर शिवसेना (UBT) प्रमुख एवं पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को इसका अध्यक्ष नियुक्त किया है. शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे का स्मारक मुंबई के दादर इलाके में शिवाजी पार्क स्थित महापौर बंगला स्थल पर बनाया जा रहा है.

सरकार ने शनिवार को एक अधिसूचना जारी कर बाल ठाकरे के बेटे उद्धव ठाकरे और चार अन्य लोगों को न्यास में नियुक्त किया है.

यह न्यास स्मारक के निर्माण की देखरेख कर रहा है. सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी शासकीय आदेश (जीआर) के अनुसार, पूर्व मंत्री सुभाष देसाई को न्यास का सचिव नियुक्त किया गया है तथा उद्धव ठाकरे के बेटे और विधायक एवं पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे को सदस्य बनाया गया है. विधायक पराग अलवानी और पूर्व विधायक शिशिर शिंदे भी न्यास के सदस्य होंगे.

न्यास में 5 पदेन सदस्य होंगे

न्यास में पांच पदेन सदस्य भी शामिल होंगे. इसके अलावा सामान्य निकाय से निर्वाचित होने वाले सदस्यों के लिए दो सीट आरक्षित होंगी.

अध्यक्ष और सुभाष देसाई एवं आदित्य ठाकरे का कार्यकाल पांच वर्ष का होगा जबकि अलवानी और शिंदे तीन वर्ष तक कार्य करेंगे. लोक न्यास की स्थापना मूल रूप से 27 सितंबर 2016 को एक शासकीय आदेश के माध्यम से की गई थी. उद्धव ठाकरे इसके अध्यक्ष थे. उन्होंने न्यास के सदस्यों का प्रारंभिक तीन साल का कार्यकाल समाप्त होने के बाद नयी नियुक्तियों की आवश्यकता पड़ने पर 25 नवंबर 2019 को पद से इस्तीफा दे दिया था.

बाद में, आदित्य ठाकरे को न्यास का अध्यक्ष नियुक्त किया गया. अध्यक्ष के रूप में आदित्य ठाकरे समेत न्यास के सदस्यों (पदेन सदस्यों को छोड़कर) का पांच साल का कार्यकाल 11 मार्च 2025 को समाप्त हो गया था. इस न्यास में एकनाथ शिंदे भी शामिल होने चाहते थे क्योंकि उनका दावा है कि मूल शिवसेना उनके पास है.

संक्षेप...

लावारिस बैग से अफरा-तफरी

मुंबई. शहर के अंधेरी इलाके में गुंदवली मेट्रो स्टेशन परिसर में एक लावारिस बैग देखे जाने के बाद वहां अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, जांच के दौरान कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। अधिकारियों ने बताया कि काले रंग का बैग स्टेशन की पहली मंजिल पर टिकट काउंटर के पास मिला, जिसके बाद बम निरोधक दस्ते और खोजी कुत्तों को तलाशी के काम में लगाया गया। गौरतलब है कि व्यस्त छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) के बाहर भी एक लावारिस बैग मिला था।

दो मंजिला चॉल की बालकनी गिरी, 30 निवासी फंसे

ठाणे. ठाणे जिले में एक दो मंजिला चॉल की बालकनी गिर गई, जिसमें 30 निवासी फंस गए, जिन्हें बाद में बचा लिया गया। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। घटना के बारे में ठाणे नगर निगम के आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख यासीन तड़वी ने बताया कि दिवा इलाके में सावलाराम स्मृति चॉल में शनिवार रात 11.36 बजे हुई इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ। सूचना मिलने के बाद, आपदा प्रकोष्ठ की टीम, पुलिस और दमकलकर्मी मौके पर पहुँचे। अधिकारी ने बताया कि चॉल में 50 से 55 लोग रह रहे थे, जिसमें 21 फ्लैट हैं।

महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्द्धन सकपाल पर लगा आर्थिक लेनदेन का गंभीर आरोप

ठाणे ग्रामीण जिला कांग्रेस अध्यक्ष चोरघे ने दिया इस्तीफा

उल्हास विकास संवाददाता

भिवंडी. महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनाव के ठीक पहले ठाणे जिला ग्रामीण के जिला अध्यक्ष दयानंद चोरघे ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सकपाल की कार्यप्रणाली व आर्थिक लेनदेन कर पदों पर नियुक्तियां करने पर कड़ी नाराजगी जताते हुए जिला अध्यक्ष पद और पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से भी इस्तीफा देकर कांग्रेस पार्टी को बड़ा झटका दिया है. उनके इस रुख के बाद उनके समर्थकों, कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं में हड़कंप मच गया है.

दयानंद चोरघे ने गंभीर सवाल उठाया है कि पूरे कोंकण में कांग्रेस का सफाया हो चुका है.ऐसे में, प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सकपाल कोंकण में कांग्रेस को नज़रअंदाज़ करके पश्चिमी महाराष्ट्र और विदर्भ पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं. दयानंद चोरघे ने स्पष्ट किया कि वे कांग्रेस पार्टी से नहीं, बल्कि प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सकपाल की कार्यप्रणाली से नाखुश हैं. राहुल गांधी जिलाध्यक्षों को अधिक अधिकार देने की बात कह चुके हैं, वहीं हर्षवर्धन सकपाल उसे नज़रअंदाज़ करके सीधे अपनी पसंद के प्रभारियों के माध्यम से ब्लॉक अध्यक्षों की नियुक्ति कर रहे हैं. दयानंद चोरघे ने आरोप लगाया है कि पैसों का लेन-देन करके ब्लॉक अध्यक्षों की नियुक्ति की जा रही है. इसके लिए ऐसे लोगों को प्रभारी नियुक्त किया गया है जिन्हें स्थानीय राजनीति की कोई जानकारी नहीं है.उन्होंने आरोप लगाया है कि ये लोग सिर्फ़ हर्षवर्धन सकपाल के लिए काम कर रहे हैं.

ब्लॉक अध्यक्ष कहते हैं कि हमारे गॉडफादर दिल्ली में बैठे हैं, तो हम स्थानीय स्तर पर कैसे काम कर सकते हैं ? अंबरनाथ बदलापुर नगर पालिका चुनाव में मुझे विश्वास में लिए बिना ही जिला प्रमुख का पद दे दिया गया.पत्रकारों के सामने दयानंद चोरघे ने अंततः स्पष्ट किया कि मेरे गुरु बालासाहेब थोरात हैं और रहेंगे. कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सकपाल की निष्क्रियता के कारण काम करना संभव नहीं होने के कारण, मैं कांग्रेस जिला अध्यक्ष पद और कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रहा हूँ.

निर्माणाधीन इमारत ढहने से दो मजदूरों की मौत

मुंबई. भायखला के पश्चिमी इलाके में एक निर्माणाधीन इमारत के ढहने से बड़ा हादसा हो गया। इस हादसे में दो मजदूरों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य की हालत गंभीर है। यह हादसा उस समय हुआ जब नींव और पाइलिंग का काम चल रहा था। गिरती मिट्टी और मलबे में पाँच मजदूर दब गए। मजदूरों को पास के अस्पताल ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने दो को मृत घोषित कर दिया। मुंबई के भायखला (पश्चिम) में हंस रोड स्थित हबीब मेंशन में नींव और पाइलिंग के काम के दौरान एक बड़ा हादसा हुआ। अचानक मिट्टी और मलबा ढहकर मजदूरों पर गिर गया, जिससे पाँच गंभीर रूप से घायल हो गए।

अखिल भारतीय मानवाधिकारी संगठन ने मनिषा वालेकर को दिया समर्थन

अंबरनाथ. अंबरनाथ नगर परिषद नगराध्यक्ष पद के लिए होने वाले चुनाव पर चर्चा करने के लिए भारतीय मानवाधिकार संगठन ने एक बैठक का आयोजन संगठन के चेयरमैन अजय श्रीनिवास चिरीविला ने आयोजित किया. इस बैठक में ये तय किया गया कि शिवसेना की नगराध्यक्ष उम्मीदवार मनिषा अरविंद वालेकर को समर्थन दिया जाए. शहर के महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई. शहर में कुछ शिक्षकों को चुनाव के दरम्यान मतदान से वंचित रहना पड़ता है. शिक्षकों को पोस्टल मतदान की सुविधा उपलब्ध करके

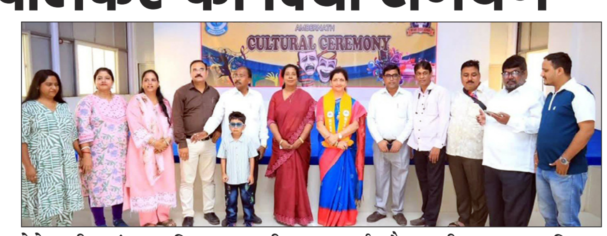

देने की मांग अखिल भारतीय मानवाधिकार संगठन से की गई है. इस संबंध में जल्द ही संगठन द्वारा चुनाव निर्णय अधिकारी से भेंट करके उन्हें निवेदन देने की बात अजय चिरिविला ने की. नगराध्यक्ष पद की शिवसेना उम्मीदवार मनिषा वालेकर ने भी बैठक में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और खुशी का इजहार किया. बैठक में चेयरमैन अजयराव चिरिविला, ठाणे जिला अध्यक्ष प्रदीप कुमावत, जिला महिला प्रमुख दीपा एडविन, राधिका मुखर्जी, शत्रुघ्नछमप, उस्मान शाह, राजेंद्र सूर्यवंशी, दर्शना चिरिविला, कनक, शांति राव अनेक मान्यवर पदाधिकारी उपस्थित थे.

टेम्पो चालक से साढ़े तेरह लाख रुपये के सामान लूट

भिवंडी. काल्हेर के एक ट्रांसपोर्ट व्यवसाय का चालक जब गोदाम से सामग्री को अपने टेम्पो में लेकर दूसरे स्थान पर पहुंचाने जा रहा था, तभी एक दोपहिया वाहन और एक टेम्पो पर सवार चार लोगों ने सड़क पर टेम्पो को रोक लिया और टेम्पो से सामग्री को दूसरे टेम्पो में जबरन भरकर लूट का अजीबोगरीब मामला प्रकाश में आया है. पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार ट्रांसपोर्ट व्यवसायी राजन वामन भोईर के टेम्पो चालक माधव गायकवाड़ टेम्पो में मार्स कंपनी का पेडिग्री बॉक्स, अडल चिकन पाउच, टेस्टी चिकन, जिसकी कीमत 13 लाख 24 हजार 978 रुपए है, लेकर जा रहा था

जब वह तालुका के पिसेगांव में सासमे फिस सामग्री पहुंचाने जा रहा था, तो बाइक पर सवार दो लोगों और दो टेम्पो चालकों ने मुंबई-नासिक राजमार्ग पर लवली बार राजनोली बाईपास पर माधव गायकवाड़ के टेम्पो को रोक लिया, उसके साथ मारपीट की. मोबाइल फोन और पैसे छीन लिए और फिर टेम्पो में भरी सामग्री को जबरन दूसरे टेम्पो में लादकर उसे उठा ले गए. टेंपो चालक की शिकायत पर कोनगांव पुलिस स्टेशन में चार अज्ञात लोगों के विरुद्ध लूट का मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है.

ठाणे में 42 लाख रुपये की बिजली चोरी पकड़ी

ठाणे. महावितरण के उड़नदस्ते ने कोलशेत स्थित होटल 'द रिकॉर्ड' पर छापा मारकर होटल संचालक द्वारा 42 लाख रुपये की बिजली चोरी का पर्दाफाश किया है। जाँच में पता चला है कि होटल संचालक पिछले एक साल से महावितरण के बिजली मीटर से छेड़छाड़ करके और रिमोट सर्किट की मदद से मीटर में बिजली की मात्रा न मापकर बिजली चोरी कर रहा था। मीटर के आंकड़ों में संदिग्ध अनियमितताएँ पाए जाने पर मुख्य अभियंता संजय पाटिल ने संबंधित ग्राहकों के मीटरों की जाँच के आदेश दिए थे। ठाणे मंडल के अधीक्षक अभियंता माणिक राठौड़ (प्रभारी) के मार्गदर्शन में कापरबावड़ी पुलिस स्टेशन में होटल मालिक के खिलाफ बिजली चोरी का मामला दर्ज किया गया है।महावितरण कोलशेत उप-विभाग के सहायक अभियंता विठ्ठल माने और उनके सहयोगी फोरमैन किरण दंडवते और मुख्य तकनीशियन राजेंद्र बाने ने खेवरा सर्कल स्थित होटल 'द रिकॉर्ड' के बिजली मीटर का निरीक्षण किया और पाया कि मीटर की सील के साथ छेड़छाड़ की गई थी और चूंकि मीटर पल्स भी रिकॉर्ड नहीं कर रहा था, इसलिए मीटर का गहन निरीक्षण करने पर पता चला कि अनियमित बिजली खपत हो रही थी। वहां मौजूद उपभोक्ता प्रतिनिधि को दिखाने के बाद मीटर को निरीक्षण के लिए कब्जे में ले लिया गया। अगले दिन, उपभोक्ता प्रतिनिधि के सामने मीटर का निरीक्षण करने पर पता चला कि कम बिजली की खपत दिखाने के लिए मीटर में एक इलेक्ट्रॉनिक रिमोट सर्किट लगाया गया था। मीटर की जांच की गई तो बिजली उपभोक्ता शिवराम शेट्टी और बिजली उपयोगकर्ता शैलेश देढिया के खिलाफ कोपरी पुलिस स्टेशन में विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 और धारा 138 के तहत बिजली चोरी का मामला दर्ज किया गया है।

पुलिसकर्मियों को कुचलने का प्रयास

- वाहन चालक हिरासत में
- अन्य लोगों की तलाश जारी
- 7 गायें बरामद

भिवंडी. वध के लिए गायों को ले जा रहे एक गिरोह ने पुलिस को कुचलने की कोशिश की, जब पुलिस उन्हें रोकने की कोशिश कर रही थी। इस मामले में, भिवंडी के पडघा पुलिस स्टेशन में चार लोगों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने रोमांचक पीछा करने के बाद वाहन चालक को हिरासत में ले लिया है। पुलिस अन्य लोगों की तलाश कर रही है। पुलिस ने इस मामले में सात गायें भी जब्त की हैं।

भिवंडी के पडघा पुलिस स्टेशन के कर्मचारी 14 नवंबर को गश्त कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें सूचना मिली कि कुछ लोग वध के लिए गायों को ले जा रहे हैं। इसके बाद, पडघा पुलिस की एक टीम ने कोशिम्बे फाटा पर नाकाबंदी की और वाहनों की जाँच कर उन्हें छुड़ाना शुरू कर

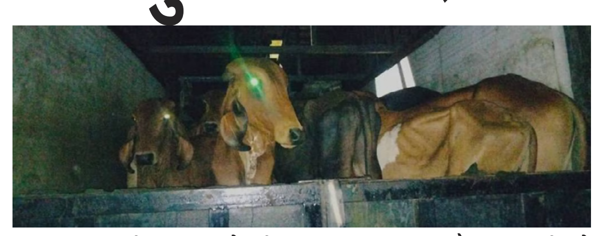

दिया। सुबह करीब 3.30 बजे, टीम को पता चला कि एक तेज रफ्तार वाहन वाशिंद से पडघा की ओर जा रहा था। पुलिस ने जब ड्राइवर को रुकने का इशारा किया, तो उसने गाड़ी धीमी कर दी। दो पुलिस अधिकारी और दो कर्मचारी वहाँ पहुँचे। कर्मचारी गाड़ी के आगे खड़े थे। अधिकारी गाड़ी के पीछे क्या है, इसकी जाँच करने वाले थे। उसी समय, एक दोपहिया वाहन सवार गाड़ी के पीछे से आया। जैसे ही उसने कहा, 'पुलिस को उड़ा दे...', चालक ने अपनी गाड़ी तेज़ गति से भगा दी। पुलिस अधिकारी अपनी जान बचाने के लिए एक तरफ़ हट गया। इसके बाद, पुलिस दल ने एक सरकारी गाड़ी से उस गाड़ी का पीछा करना शुरू कर दिया।

पुलिस ने उसे दूर से देखा तो पता चला कि वह पडघा के बोरीवली इलाके का रहने वाला सूफियान मुल्ला है। पुलिस टीम ने गाड़ी के ड्राइवर अक्षय पाटिल (28) को हिरासत में लिया। गाड़ी की जाँच की गई तो उसमें सात गायें मिलीं। जब उससे पूछताछ की गई तो उसने बताया कि ये गायें शाहपुर के एक व्यक्ति से ली गई थीं। उसने बताया कि सूफियान की मदद से इन्हें पडघा के बोरीवली निवासी इमरान मुल्ला के पास ले जाया जा रहा था। इसके बाद पुलिस ने इस मामले में चारों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। उनके खिलाफ पडघा पुलिस स्टेशन में पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 की धारा 11(1), (जी), 11(1)(एच), 11(1)(जे) के साथ-साथ महाराष्ट्र पशु संरक्षण अधिनियम, 1976 की धारा 11, 5ए, 9 और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) 2023 की धारा 109, 3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

नौसेना डॉकयार्ड को उड़ाने की धमकी

- पुलिस ने दो लोगों को किया गिरफ्तार

मुंबई. महाराष्ट्र के मुंबई में रविवार (16 नवंबर, 2025) को नौसेना के डॉकयार्ड को धमकी दिए जाने का मामला सामने आया है। डॉकयार्ड के दो कर्मचारियों ने मुंबई पुलिस के कंट्रोल रूम में फोन कर धमकी दी थी। इस पर कार्रवाई करते हुए मुंबई पुलिस ने दोनों शख्स का पता लगाकर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ के दौरान सामने आया कि धमकी देने वाला शख्स उस समय नशे में था और डॉकयार्ड का ही कर्मचारी था। उसके साथ एक शख्स को भी पूछताछ के लिए लाया गया था। वह व्यक्ति भी उसी डॉकयार्ड का कर्मचारी था। शुरुआती जांच में सामने आया है कि दोनों लोगों ने शराब के नशे में धमकी भरा फोन किया था।

रिपोर्ट्स के मुताबिक मुंबई पुलिस ने फर्जी धमकी देने के मामले में जहांगीर शेख नाम के शख्स को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि धमकी देने

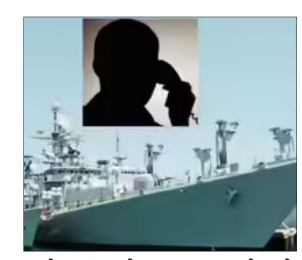

वाले व्यक्ति के खुद आंध्र प्रदेश में होने की बात कही थी। उसने कॉल कर दावा किया कि किसी और ने उसे इस हमले की जानकारी दी है।

धमकी मिलते ही पुलिस के साथ सुरक्षा एजेंसियां चौकन्नी हो गईं और तुरंत सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू कर दिए गए। टीम ने डॉकयार्ड के इलाके में और आस-पास तलाशी अभियान चलाया, लेकिन कोई भी संदिग्ध चीज, शख्स या गतिविधि नहीं मिली।

इसके बाद अधिकारियों ने कॉल कर धमकी देने वाले शख्स का पता लगाया और उसे गिरफ्तार कर लिया। मामले में आगे की जांच जारी है। पुलिस पता लगाने की कोशिश कर रही है कि फर्जी धमकी देने के पीछे क्या मकसद था? क्या इसकी पीछे कोई और शख्स भी शामिल है?

‘मां बनने के बाद बदला नजरिया’

एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण हाल ही में अपनी दो बड़ी फिल्मों ‘स्पिरिट’ और ‘कल्कि 2’ से बाहर हो गई हैं। उनकी 8 घंटे की शिफ्ट की मांग को लेकर इंडस्ट्री में बवाल मचा हुआ है। अब एक्ट्रेस ने मदरहुड, कामकाजी महिलाओं और इंडस्ट्री की वर्किंग कंडीशंस पर खुलकर बात की।

हार्पर बाजार इंडिया को दिए इंटरव्यू में दीपिका पादुकोण ने कहा- मां बनने के बाद महसूस हो रहा है कि मम्मी जो कहती थीं, वो एकदम सही था। हर नई मां सोचती है कि प्लान बनाकर सब मैनेज कर लेंगी, लेकिन हकीकत में बहुत बदलाव आ जाता है। अब मैं अपनी मां को अधिक अच्छे से समझ पाती हूं।

दीपिका मानती हैं कि वर्किंग मदर्स को जब वे काम पर लौटें, तो परिवार और ऑफिस दोनों से पूरा सपोर्ट मिलना चाहिए। उन्होंने बताया कि उन्होंने खुद के ऑफिस में पांच दिन और आठ घंटे की वर्किंग पॉलिसी रखी है और मेटरनिटी-पेटरनिटी पॉलिसी भी लागू की है। वह चाहती हैं कि बच्चों को दफ्तर या सेट पर लाना भी नॉर्मल बने ताकि महिलाएं बिना किसी दबाव के काम कर सकें।

ओवरवर्किंग और बर्नआउट पर दीपिका ने साफ कहा- हमने ओवरवर्किंग को सामान्य बना लिया है, लेकिन असल में 8 घंटे की लिमिट सही है। थककर काम करना किसी के लिए फायदेमंद नहीं। खुद मैं भी बैलेंस बनाने की कोशिश करती रही हूं।

शिक्षक अज़ीम ग़रकाब को किया गया सम्मानित

उल्हास विकास संवाददाता

भिवंडी. रईस हाईस्कूल एवं जूनियर कॉलेज में उर्दू सुलेख के माहिर शिक्षक अज़ीम ग़रकाब को उर्दू कैलीग्राफी (सुलेख) के क्षेत्र में उनकी बहुमूल्य सेवाओं के सम्मान में केएमई सोसाइटी के ऑनरेरी जनरल सेक्रेटरी दानियाल काज़ी द्वारा उर्दू बसेरा हॉल में जीएम मोमिन वीमेंस कालेज अध्ययन केंद्र द्वारा आयोजित विश्व उर्दू दिवस समारोह में सुलेख विशेषज्ञ की उपाधि से सम्मानित किया गया. इस अवसर पर प्रसिद्ध कवि एवं लेखक मुहम्मद रफ़ी अंसारी, अध्ययन केंद्र समन्वयक अब्दुल अज़ीज़ अंसारी, डॉ. कुतुबुद्दीन शाहिद, खान ज़ाकिर हुसैन, डॉ.अबू तालिब अंसारी,प्रिंसिपल ज़वेरिया काज़ी सहित अध्ययन केंद्र के शिक्षक एवं छात्र उपस्थित थे.

गौरतलब है कि अज़ीम ग़रकाब अपनी सुलेखन कला के माध्यम से छात्रों में सुलेख के प्रति जुनून और रुचि पैदा करने का सफल प्रयास कर रहे हैं.उनके मार्गदर्शन और प्रशिक्षण में दर्जनों छात्र शहर और शहर के बाहर के विद्यालयीन मुकाबलों में भाग लेकर पुरस्कार जीत चुके हैं. उन्होंने पुरस्कार और ट्रॉफी जीत कर अपने शिक्षक और शिक्षा संस्थान का नाम रोशन किया है.अज़ीम ग़रकाब अपनी सुलेखन कला के माध्यम से न सिर्फ़ रईस स्कूल बल्कि भिवंडी शहर के अन्य सकूलों में भी छात्रों को कैलीग्राफी के हुनर से लाभान्वित कर रहे हैं.विश्व उर्दू दिवस के अवसर पर शाल,पुष्पगुच्छ एवं उपहार भेंट करते हुए सचिव दानियाल काज़ी, अब्दुल अज़ीज़ अंसारी और सभी अतिथियों ने अज़ीम ग़रकाब की सराहना की. रईस हाईस्कूल और जूनियर कॉलेज के चेयरमैन, प्रिंसिपल और पूरे स्टाफ की तरफ़ से अज़ीम ग़रकाब को बधाई एवं शुभकामनाएं दी.

लोकल में शराब के पीकर यात्रा करना महंगा पड़ा

- नगदी समेत कुल 74 हजार का माल चोरी

ठाणे. दोस्तों के साथ शराब पीकर लोकल की यात्रा करना युवक को महंगा पड़ गया। नगदी के साथ कुल 74 हजार का माल चोरी हुआ।इस मामले में ठाणे रेलवे पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। कलवा में रहने वाले सुजित सिंह (28) 11 नवंबर को ऑफिस के काम से नवी मुंबई गए थे। काम समाप्त होने के बाद वे अपने दोस्तों के साथ शराब पीने गए। इसके बाद रात 11 बजकर 20 मिनट की जुईनगर रेलवे स्टेशन से ठाणे स्टेशन की लोकल पकड़ी। फर्स्ट क्लास डिब्बे में उन्होंने अपनी बैग गोद में रखकर यात्रा शुरू की, लेकिन रास्ते में उन्हें नींद आ गई। ठाणे स्टेशन पहुंचने के बाद लोकल ट्रेन यार्ड में चली गई। रात करीब 3 बजे अचानक सुजित की नींद खुली। उन्हें जब एहसास हुआ कि ट्रेन यार्ड में खड़ी है, तो देखा कि उनकी बैग वहां नहीं थी। उन्हें ज्ञात हुआ की चोर ने उनकी नींद का फायदा उठाकर बैग चुरा ली। बैग में 53,500 रुपए का लैपटॉप, 18 हजार रुपए का मोबाइल और 3 हजार रुपए का लैपटॉप चार्जर था। युवक ने इसकी शिकायत ठाणे रेलवे पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई है।

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099